2019-20

वार्षिक प्रतिवेदन

जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय

(केंद्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009 द्वारा स्थापित)
राया–सूचानी (बागला), ज़िला सांबा–181143, जम्मू (जम्मू एवं कश्मीर)
दूरभाष : 01923–249660 वेबसाइट : www.cujammu.ac.in

CENTRAL UNIVERSITY OF JAMMU जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय

बुद्धिर्ज्ञानेन शुद्ध्यति

2019-20

वार्षिक प्रतिवेदन

कुलाध्यक्ष

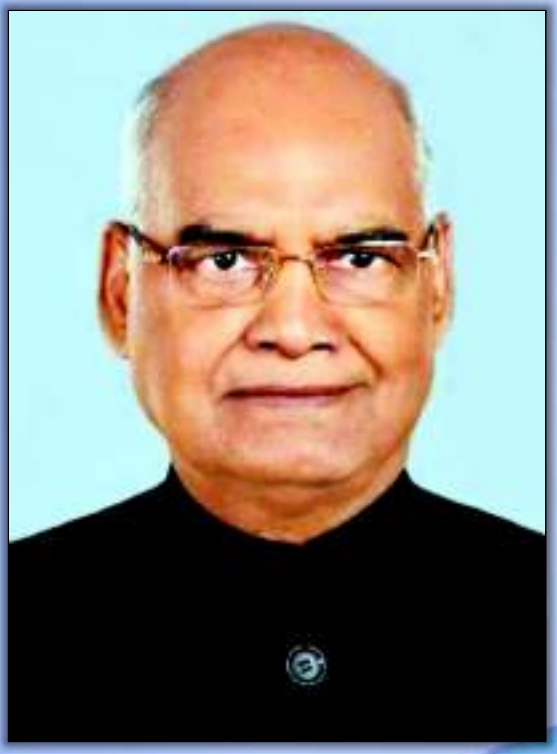

श्री राम नाथ कोविंद

भारत के राष्ट्रपति

2019-20

वार्षिक प्रतिवेदन

कुलाधिपति

श्री गोपालास्वामी पार्थासारथी

कुलपति की कलम से

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 से देश शैक्षिक विकास में व्यापक बदलाव की दहलीज़ पर खड़ा है, सत्र 2019-2020 के लिए जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय की 9वें वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करना मेरे लिए संतोष की विशेष भावना पैदा करता है जो इस प्रतिवेदन में प्रतिबिंबित है। संतोष का एक बड़ा कारण है, कि अपने अस्तितव के थोड़े से कार्यकाल में विश्वविद्यालय ने अकादमिक एवं अनुसंधान से क्षेत्रीय तथा राष्ट्रीय स्तर पर अपने लिए जगह बना ली है, तथा यह इस प्रतिवेदन में प्रतिबिंबित होता है, क्योंकि प्रतिवेदन भविष्य की कारवाई का खाका तैयार करने के लिए आत्मनिरिक्षण के साधन के रूप में कार्य करती हैं।

वार्षिक प्रतिवेदन 2019-20 के दौरान हमारे कार्यों की उपलब्धियों के उद्देश्यों को प्रतिबिंबित करता है और शैक्षिणक गतिविधियों, अनुसंधान परिणामों एवं अभिनव शिक्षण शिक्षाशास्त्र के माध्यम से जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय परिसर में समग्र शिक्षा और शिक्षण प्रतिबद्धता की झलक प्रस्तुत करता है। जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय ने 08 अगस्त 2011 से सिर्फ तीन स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम एवं एक शोध कार्यक्रम के साथ कार्य प्रारम्भ किया। वर्तमान में, विश्वविद्यालय 19 विभाग, 05 केंद्र और 01 कॉलेज सहित, 02 शोध पीठों में 45 से अधिक पाठ्यक्रम प्रस्तावित कर रहा है।

विश्वविद्यालय द्वारा शुरू किए गए ये कार्यक्रम छात्रों को रोज़गार के अवसरों और कैरियर की संभावनाओं की पेशकश करने वाले विशेषज्ञता के उभरते हुए क्षेत्र में प्रवेश पाने में सक्षम करेंगे। 04 कार्यक्रमों में स्नातक स्तर पर पाँच वर्षीय डिग्री कार्यक्रम, 01 चार साल का एकीकृत, 16 स्नातकोत्तर, 22 अनुसंधान उन्मुख और 03 व्यावसायिक प्रकार शामिल हैं।

विश्वविद्यालय द्वारा शुरू किए गए उपरोक्त शैक्षिक कार्यक्रमों के अलावा विश्वविद्यालय द्वारा कुछ प्रतिष्ठित राष्ट्रीय स्तर की परियोजनाएं शुरू की जा रही हैं जैसे कलाम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी केंद्र, सतीश धवन अन्तरिक्ष केंद्र, पण्डित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण मिशन, एकीकृत आयुष मंत्रालय द्वारा योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा केंद्र सहित 50 बेड का अस्पताल, डीबीटी, भारत सरकार प्रायोजित स्नातकोत्तर (जैव प्रौद्योगिकी) कार्यक्रम, इसके अलावा विश्वविद्यालय ने शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा अनुमोदित केंद्रीय विद्यालय में तीन सौ विद्यार्थियों को प्रविष्ट किया है। यूजीसी ने एससी/एसटी सेल की स्थापना के लिए शिक्षणेतर पदों के साथ-साथ 03 एम.वॉक कार्यक्रम के अतिरिक्त 2019-20 के दौरान नए विभागों की मंजूरी दी है।

विश्वविद्यालय अनुसंधान के लिए विभिन्न एजेंसियों से लगातार संसाधन जुटाता रहा है, और संकाय को प्रतिष्ठित राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय फैलोशिप, परियोजन निधि और मान्यता से सम्मानित किया गया है तथा अनुसंधान, परामर्श एवं आउटरीच गतिविधियों के माध्यम से विभिन्न सरकारी और गैर-सरकारी क्षेत्रों में लगातार योगदान देता रहा है। वर्तमान में, संकाय सदस्यों द्वारा शैक्षणिक एवं सामाजिक प्रासंगिकता के 72 से अधिक प्रमुख/लघु अनुसंधान परियोजनाएं की जा रही हैं। विश्वविद्यालय ने अब तक 30 पीएचडी और 108 एमफिल की डिग्रियां प्रदान की हैं। वर्तमान में 12 विभागों में 165 एकीकृत एमफिल-पीएचडी/पीएचडी शोधार्थी अपने शोध कार्यक्रमों को आगे बढ़ा रहे हैं।

निश्चित रूप से, शैक्षणिक अवसंरचना को अत्याधुनिक अवसंरचना एवं सुविधाओं के साथ पूरक किया जाना चाहिए। इसलिए, परिसर एवं छात्रावासों में वाईफाई की सुविधा,

स्वचालित पुस्तकालय, बुनियादी खेल ढांचा, योग कक्षाएं, क्लब एवं पारस्परिक चर्चा सत्र आदि का आयोजन किया जाता है, विश्वविद्यालय के छात्र प्रतिष्ठित नियुक्तियां प्राप्त करने में सफल रहे हैं, जिससे किसी भी प्रकार की प्रतियोगिता का सामना करने के लिए छात्रों को तैयार करने में सक्षम बनानें में अधिक बल मिलता है,

जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय ने 23 राष्ट्रीय और 04 अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर करके राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के संदर्भ में महत्वपूर्ण प्रगति की है जिनमें से कुछ मेलबोर्न विश्वविद्यालय, चीनी अध्ययन संस्थान, आश्रय ऊष्मायन, अहमदाबाद, छात्रों और शिक्षकों के आदान प्रदान के लिए केंद्रीय विश्वविद्यालय हिमाचल प्रदेश एवं केंद्रीय विश्वविद्यालय कश्मीर से, भारत के प्रशासनिक स्टाफ कॉलेज, कैम्पस एम्प्लॉयबिलिटी प्रोग्राम के लिए नैसकॉम फाउंडेशन और इंडस्ट्री पार्टनर्स के साथ साझेदारी में ब्यूटी एंड वेलनेस में संयुक्त प्रमाणन कार्यक्रम शामिल हैं। विश्वविद्यालय का विकास स्पष्ट रूप से अध्ययन एवं अध्यापन की गुणवत्ता, गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान एवं प्रकाशन में विकास के क्रम को दर्शाता है। इसके अलावा, विश्वविद्यालय स्मार्ट शिक्षण कक्षों और बहु-आयामी गतिविधियों के संदर्भ में आईसीटी के व्यापक उपयोग के लिए कक्षाओं में बुनियादी आवश्यक सुविधाओं को गुणात्मक रूप से बढ़ाने में प्रयासरत है। विश्वविद्यालय के विकास को स्पष्ट रूप से अध्ययन एवं अध्यापन, गुणवत्ता अनुसंधान और प्रकाशन के क्षेत्र में बृद्धि को देखा जा सकता है। इसके अलावा, विश्वविद्यालय स्मार्ट शिक्षण कक्षों और बहु-आयामी गतिविधियों के संदर्भ में व्यापक उपयोग के लिए आईसीटी के व्यापक उपयोग के लिए कक्षाओं में बुनियादी आवश्यक सुविधाओं को गुणात्मक रूप से बढ़ाने का प्रयास कर रहा है।

विश्वविद्यालय का विकास स्पष्ट रूप से शिक्षण और अधिगम, गुणवत्ता अनुसंधान और प्रकाशन के क्षेत्र में एक दृश्यमान सर्वोच्च ग्राफ को दर्शाता है। इसके अलावा, विश्वविद्यालय स्मार्ट शिक्षण कक्षों के रूप में कक्षाओं में बुनियादी आवश्यक सुविधाओं को गुणात्मक रूप से बढ़ाने और बहुआयामी गतिविधियों के संदर्भ में सूचना संचार प्रौद्योगिकी के व्यापक उपयोग का प्रयास किया जा रहा है।

अपनी सामाजिक पहुंच के एक भाग के रूप में विश्वविद्यालय ने अपने आसपास के पांच गांवों को गोद लिया है और प्रत्येक गांव से एक स्कूल शिक्षकों/प्रशासकों और छात्रोन्मुखी सहायता कार्यक्रमों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम आरम्भ किये जाने की प्रतिबद्धता को अपनाया गया है। पण्डित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण मिशन के तहत शिक्षकों/प्रशासकों और छात्रों के लिए सहायता कार्यक्रमों के लिए क्षमता निर्माण उन्मुख कार्यक्रम के लिए प्रत्येक गांव से एक स्कूल को अपनाया गया है।

हमारी राष्ट्रीय प्राथमिकताओं में से एक के अनुरूप, विश्वविद्यालय ने पेपरलेस और कैशलेस बनने के लिए कई डिजिटल पहल की है।

चुनौतियां और अवसर उच्च शिक्षा संस्थानों के लिए एक अमृत के समान है सभी हितधारकों, शिक्षण संकाय, शोधार्थी, छात्र, प्रशासनिक कर्मचारियों का परिश्रम एवं सहयोग वास्त्विक उत्प्रेरक है । आशा से ही आधी दौड जीती जाती है। निरंतर समझदारी पूर्ण कार्य , समर्थन, सौहार्द और सद्भावना के साथ, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय आने वाले वर्षो में गौरव के नए शिखरों को प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है।

जय हिंद!

(प्रो.अशोक ऐमा)

प्रतीक चिह्न तथा इसका विवरण

प्रतीक चिह्न

उगता सूर्य, बरगद का पेड़ तथा अनंत आकाश प्रकृति के कुछ सबसे महत्वपूर्ण तत्व हैं जो उसके सार को संक्षेप में वर्णित करते हैं तथा मानवता को उत्पादक जीवन जीने, ज्ञानार्जन करने तथा शांति व सुख को प्राप्त करने को प्रोत्साहित करते हैं।

जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रतिनिधित्व हेतु इन सभी तत्वों को प्रतीक चिह्न में एक साथ रखा गया है :

विवरण

उगता सूर्य :- बरगद के पेड़ के पीछे स्थित उगता सूर्य अंधकार पर विजय को दर्शाता है, जो अज्ञान पर ज्ञान की विजय है। छात्र प्रकाश में रहकर, ज्ञानार्जन करेंगे तथा बुद्धि में विकसित होंगे।

बरगद का पेड़ :- प्रतीक का यह भाग घोषणा करता है कि जिस प्रकार से बरगद का पेड़ अस्वच्छता को छानकर शुद्ध वायु उपलब्ध कराता है, तथा अपनी जड़ों के माध्यम से सहारा प्राप्त करता है, उसी प्रकार से विश्वविद्यालय अपने छात्रों के योगदान एवं भागीदारी से बुद्धि तथा ज्ञान को छानकर व्यवस्थित विचार, अंतर कर सकने वाली योग्यता तथा आत्म-अनुशासन की ओर ले जाने का संकल्प रखता है।

अनंत आकाश :- अनंत आकश की विशाल चादर जिसमें सूर्य की किरणें भरी हैं, उस विशाल विस्तार को दर्शाता है जो प्राप्त करने, विकसित करने तथा ज्ञान को फैलाने के लिए है, बढ़ता उत्साह विचारों को पोषित करने का अनंत आयाम है।

विश्वविद्यालय अनंत ज्ञान तथा बुद्धि का वास है, जो अर्थपूर्ण आत्म-निरीक्षण के लिए मार्ग बनाता है, जिनका परिणाम व्यक्तिगत बुद्धि का विकास होता है।

संक्षेप में बरगद के पेड़ तथा अनंत आकाश के संग उगता सूर्य वास्तव में विश्वविद्यालय के मूल्यों, आकांक्षाओं, लक्ष्यों तथा स्वाभाविक विशेषताओं को दर्शाता है, तथा यह गतिवान, ज्ञानवान तथा शक्तिवान युवाओं के माध्यम से उस प्रकाशवान समाज में पदार्पण करने की इच्छा को दर्शाता है जहाँ वे आधुनिक संसार के नये विचारों तथा उभरती प्रवृत्तियां को अपना सकें तथा उससे उठने वाली चुनौतियों को स्वीकार करने के लिए आतुरता दर्शा सकें।

आदर्शोक्ति, दूरदर्शिता एवं उद्देश्य

आदर्शोक्ति

विश्वविद्यालय के आदर्श "बुद्धिर्ज्ञानेन शुद्ध्यति" का अर्थ है कि ज्ञान से बुद्धि शुद्ध तथा तीव्र होती है।

दूरदर्शिता

उच्च शिक्षा का अग्रंणी केंद्र होना जिससे संस्कृति, ज्ञान, दर्शन तथा हमारे मूल्यों का एकीकरण हो, जो हमारी प्राचीन धरोहर को आधुनिक तथा उभरते विचारों, योग्यताओं, तकनीकी तथा प्रबंध अभ्यासों से आत्मसात करें।

उद्देश्य

- ऐसी शिक्षा प्रदान करना जो अपने विस्तार में हमारे प्रतीक चिह्न के तीन मुख्य प्रतीकों का प्रतिनिधित्व करें-उगते सूर्य के समान चमक, बरगद के पेड़ के समान अनश्वर तथा आकाश के समान अनंत।
- आत्मविश्वास विकसित करना जो अनुशासित अध्ययन से मिश्रित हो, जो अपनी शक्ति तथा दृढ़-विश्वास हेतु श्रद्धा में परिणत हो ।
- शिक्षा, प्रशासन, व्यापार तथा शोध में निरंतर विकास के लिए योग्यता विकसित करना जिसके लिए संगठित विचार, आत्म-अनुशासन तथा अंतर कर सकने वाली योग्यता पर जोर दिया जाएगा।
- अंतर-विषय पर ध्यान केंद्र करने के लिए प्रोत्साहित करना, साथ ही अग्रणी संस्थानों के साथ एकीकृत शोध पर जोर देना जिसका उद्देश्य मानव संसाधन का विकास तथा नए विचारों तथा नवीनीकरण तथा एकीकरण करना।
- एक आधुनिक, स्थाई वातावरण अनुकूल, स्वस्थ तथा जीवंत परिसर उपलब्ध कराना जो 'ग्रीन तकनीकी' के सिद्धांतों के अनुकूल हो।

1. जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय

जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय प्रथम कुलपति की नियुक्ति के साथ 08, अगस्त, 2011 को अस्तित्व में आया। इसकी स्थापना केंद्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009 (केंद्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009 के साथ 2009 के अधिनियम संख्या 25) द्वारा की गई थी। जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय का मुख्य परिसर गांव बागला, जिला सांबा में राया सुचानी में स्थित है, जो जम्मू से 25 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।

2. परिसर स्थल

विश्वविद्यालय का प्रशासनिक कार्यालय राया-सुचानी ¼बागला½, जिला-सांबा, (जम्मू एवं कश्मीजर) के परिसर में स्थित है। इसे कंप्यूटर नेटवर्किंग, फर्नीचर, साज-सामान और अन्य उपकरणों जैसी सुविधाएं प्रदान करके कार्यात्मक बनाया गया है। सभी शैक्षणिक विभागों ने शैक्षणिक सत्र 2017-18 से विश्वविद्यालय के मुख्य परिसर से अपना कामकाज शुरू कर दिया है।

शैक्षणिक सत्र 2019-20 के लिए, सभी शिक्षण विभागों और व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रस्तावित किये जाने हैं जो हैं, कंप्यूटर विज्ञान और सूचना प्रौद्योगिकी, अर्थशास्त्र, शैक्षिक अध्ययन, अंग्रेजी, पर्यावर्णीय विज्ञान, व्यापार

प्रबंधन, जनसंचार एवं नवीन मीडिया, गणित, राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन, लोक नीति और लोक प्रशासन, सामाज कार्य, पर्यटन प्रबंधन, हिंदी, बॉटनी, जूलॉजी, केमिस्ट्री, फिजिक्स, मैटेरियल साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी में पांच वर्षीय एकीकृत स्नाातकोतर पाठ्यक्रम तथा मार्केटिंग मैनेजमेंट में एमबीए के साथ दो अनुसंधान केंद्र भी हैं, वीवॉक खुदरा प्रबंधन में व्यावसायिक पाठ्यक्रम, वीवॉक (बैंकिंग और वित्तीय सेवाएँ) (व्यवसाय प्रशासन विभाग द्वारा), पर्यटन प्रबंधन (पर्यटन प्रबंधन विभाग द्वारा), सौंदर्य और कल्याण में डिप्लोमा, सौंदर्य और कल्याण में डिप्लोमा (मेकअप), परिधान में डिप्लोमा (ड्रेस डिजाइनिंग और टेलरिंग), खुदरा प्रबंधन में डिप्लोमा, सामुदायिक कॉलेज के तत्वावधान में पर्यटन प्रबंधन में डिप्लोमा।

विश्वविद्यालय क्लास रूम, शिक्षण संकाय, अनुसंधान शोधार्थियों और कंप्यूटर लैब के लिए आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध् हैं। विश्वविद्यालय में विशाल कैंटीन, खेल का मैदान और नियुक्त योग्य डॉक्टरों सहित स्वास्थ्य केंद्र है। परिसर में वायर्ड और वायरलेस इंटरनेट सुविधा है। विश्वविद्यालय में 1 जीवीपीएस की बैंडविड्थ की एनकेएन (नेशनल नॉलेज नेटवर्क) की संयोजकता है। वर्चुअल क्लास रूम सेटअप भी उपलब्ध है जो अन्य शैक्षणिक और अनुसंधान संस्थानों के साथ एनकेएन कनेक्टिविटी के माध्यम से जुड़ा हुआ है।

3. विश्वविद्यालय की मुख्य विशेषताएँ

उच्च शिक्षा में सुधार के लिए तथा दुनिया के सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालयों के अनुभवों से सीखते हुए, विश्वविद्यालय ने निम्न नवाचारों को प्रारंभ किया है :

1. सत्र –आधारित शैक्षणिक कैलेंडर :

विश्वविद्यालय के सभी शैक्षणिक कार्यक्रम, एकीकृत स्नातकोतर डिग्री, स्नातकोत्तर उपाधि तथा पीएचडी कार्यक्रम यूजीसी के दिशा-निर्देशों के अनुसार प्रस्तावित किए जाते हैं तथा शिक्षण दिनों और अध्यडयन-अध्यापन के लिए आवश्येक दिनों के संदर्भ में वैश्विक प्रथाओं के अनुरूप बनाया गया है। पीएचडी कार्यक्रम में सभी प्रविष्ट उम्मीदवारों को छह महीने की अवधि के अनिवार्य पाठ्यक्रम करना आवश्यक है।

2. व्यापक विकल्प आधारित क्रेडिट सिस्टम पर आधारित कार्यक्रम :

विश्वविद्यालय ने यूजीसी के दिशानिर्देशों के अनुसार विकल्प आधारित क्रेडिट सिस्टम **(CBCS)** की शुरुआत की है।

3. अध्ययन कार्यक्रमों के निर्माण में नवीन दृष्टिकोण :

विश्वविद्यालय द्वारा प्रस्तावित अध्ययन कार्यक्रमों को उनके संबंधित क्षेत्रों में विश्व स्तर पर छात्रों को प्रतिस्पर्धी बनाने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। शिक्षार्थी की आवश्यकताओं और अपेक्षाओं को समायोजित करने, सीखने की सामग्री, मोड और गति में व्यापक विकल्प रखने के लिए पारंपरिक "शिक्षक केंद्रित दृष्टिकोण" के विपरीत "अध्ययन-केंद्रित दृष्टिकोण" पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

4. अध्ययन के अंतर–अनुशासनात्मक कार्यक्रम :

विश्वविद्यालय के शिक्षण विभाग बुनियादी विषयों पर आधारित है जिससे संकाय सदस्यों को उनके विशेष अध्यायन क्षेत्रों में अनुसंधान पर केंद्रित करने के लिए सक्षम बनाया जा सके। विश्वविद्यालय का प्रत्येक अध्ययन कार्यक्रम अंतर-अनुशासनात्मक है, जिससे छात्र को विश्वविद्यालय के अन्य विभागों द्वारा विभिन्न प्रकार के पाठ्यक्रमों में से आवश्यक संख्या में क्रेडिट प्राप्तस करने के अधिकार को प्रस्तायवित किया जाता है।

5. सभी शैक्षणिक कार्यक्रमों के लिए मूल्यांकन प्रक्रिया :

सभी अध्ययन कार्यक्रमों के छात्रों को सभी स्तरों पर प्रश्नोत्तरी, असाइनमेंट, स्वतंत्र कार्य, समूहिक कार्य, मध्य-सत्र और अंतिम-सत्र परीक्षाओं के आधार पर सतत आंतरिक मूल्यांकन के माध्यम से मूल्यांकित किया जाता है। प्रत्येक विभाग सतत आंतरिक मूल्यांकन के तहत विभिन्न प्रकार की गतिविधियों के माध्यम से छात्रों के प्रदर्शन का आकलन करने के लिए गतिविधियों की सूची से न्यूनतम चार गतिविधियां प्रदान करता है। मूल्यांकन प्रक्रिया में निम्नानुसार है :

सतत् आंतरिक मूल्यांकन	**25%**
मध्य सत्र परीक्षा	**25%**
अतिंम सत्र परीक्षा	**50%**

6. पी. एच. डी. कार्यक्रम :

विश्वविद्यालय के पास पूर्ण कालिक/अल्प कालिक शोध उपाधि (आर डी) कार्यक्रम हैं, जिनका उद्देश्य शोध कौशल को उन्नत करना, शिक्षण क्षमताओं को संवारना, गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान प्रकाशनों का निर्माण तथा संगोष्ठी/सम्मेलनों में सक्रिय सहभागिता है।

विश्वविद्यालय शैक्षणिक ढांचा

7. कक्षाएं और व्याख्यान शालाएं :

विश्वविद्यालय में अध्ययन के विभिन्न कार्यक्रमों की वर्तमान आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त संख्या में कक्षाएं और व्याख्यान शालाएं हैं। कक्षाएं अच्छी तरह से सुसज्जित हैं और शिक्षण के लिए आवश्यक मल्टीमीडिया एड्स से सुसज्जित हैं।

8. पुस्तकालय :

विश्वविद्यालय में पूरी तरह से स्वचालित पुस्तकालय है। पुस्तकालय विश्वविद्यालय द्वारा प्रस्तुत अध्ययन के विभिन्न विषयों/कार्यक्रमों से संबंधित पुस्तकों, पत्रिकाओं और संदर्भ सामग्री की पर्याप्त मात्रा में पुस्तकालय में उपलब्ध है।

9. इंटरनेट और आईसीटी लैब्स :

विश्वविद्यालय सहज वाई-फाई कनेक्टिविटी उपलब्ध है और छात्र परिसर में कहीं से भी अपने लैपटॉप के माध्यम से इंटरनेट का उपयोग कर सकते हैं। विश्वविद्यालय के पास तीन अत्याधुनिक आईसीटी प्रयोगशालाएं हैं जो विश्वविद्यालय द्वारा प्रस्तावित अध्ययन के सभी कार्यक्रमों के छात्रों के लिए आवश्यक सॉफ्टवेयर के साथ उच्च स्तरीय कंप्यूटर से सुसजित हैं।

10. विश्वविद्यालय व्यवसाय ऊष्मायन केंद्र (यूबीआईसी) :

विश्वविद्यालय व्यवसाय ऊष्मायन केंद्र (यूबीआईसी) की स्थापना वर्ष 2015 में नवप्रवर्तन, ऊष्मायन और उद्यमिता परिषद के तत्वावधान में की गई है, जो एमएसएमई, मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित है, जो स्थानीय लोगों के

साथ-साथ छात्रों के बीच उद्यमशीलता की संस्कृति को बढ़ावा देता है। ऊष्मायन केंद्र का उद्देश्य व्यावसायीकरण के लिए नवीन विचारों प्रोत्सीाहित करना है और नवाचारकों को ढांचागत सहायता प्रदान करना है। यूबीआईसी उभरते हुए नए उपक्रमों में मौजूदा और भावी उद्यमियों के अभिनव विचारों को आवश्यक सलाह प्रदान करके, आईपी पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने और अपने विचारों के व्यावसायीकरण के लिए उद्यमियों को मंच प्रदान करने के अलावा अनुदानित दरों और आईपी संरक्षण पर विभिन्न वित्तीय संस्थानों से पूंजी जुटाने में मदद करता है । साथ ही, नवाचार को बढ़ावा देने के लिए परिसर स्टार्ट अप ट्रैक शुरू किया गया है। इस कड़ी में, वाणिज्यिक प्रासंगिकता वाले सर्वोत्तम नवीन विचार को बढ़ावा देने के लिए यूवीआईसी द्वारा 25000/- नकद पुरस्कार की घोषणा की गई है। उद्यमशीलता के बारे में जागरूकता पैदा करने और छात्रों को संवेदनशील बनाने के लिए भारत सरकार की विभिन्न योजनाओं के बारे में यूवीआईसी और यूआईसी द्वारा व्याख्यान श्रृंखला का प्रारंभ किया गया है, जिसमें सफल उद्यमियों के साथ-साथ विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों को भी व्याख्यान प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया जाता है।

11. उद्योग–अकादमी इंटरफेस :

विश्वविद्यालय ने उद्योग के साथ देश और विदेश के प्रतिष्ठित संस्थानों विश्वविद्यालयों के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए हैं जिनमें चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज, जम्मू, वीएलसीसी, नैसकॉम फाउंडेशन, नई दिल्ली, आश्रय इनक्यूबेटर, अहमदाबाद, एएससीआई, हैदराबाद और एपेक्स उद्योग निकाय अर्थात आईएसटीडी, आईएओटीए, सीII, एनएचआरडीएन, एआईएमए, यूनाइटेड नेशन एकेडेमिक इम्पैक्ट (यू०एन०ए०आई) आदि की सदस्यता भी प्राप्त की है। इस कड़ी में छात्रों और संकाय के लाभ के लिए मजबूत उद्योग-अकादमिक इंटरफेस तैयार किया है। विश्वविद्यालय ने प्रख्यात व्याख्यान श्रृंखला शुरू की है, जहाँ अपने-अपने क्षेत्रों में प्रमुख हस्तियों ने योगदान दिया है, उन्हें समय-समय पर छात्रों और संकायों के साथ बातचीत के लिए आमंत्रित किया जाता है।

विश्वविद्यालय ने हाल ही में विश्वविद्यालय और कॉर्पोरेट घरानों के बीच संबंधों को मजबूत करने के उद्देश्य से तीन दिवसीय एचआरडी कांग्रेस का आयोजन किया। कार्यक्रम में लगभग 30 उद्योगों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। राज्य के छात्रों के लिए सीमित ओद्योगिकी को ध्यान में रखते हुए, कार्यक्रम में ने न केवल सीयूजे के छात्रों को बल्कि क्षेत्र के अन्य शैक्षणिक संस्थानों को भी मंच प्रदान किया गया। इस कार्यक्रम के माध्यम से विश्वविद्यालय छात्रों में विषयों और संकायों के लिए अद्योगिक मार्गदर्शन और प्रशिक्षण प्रदान करने में सक्षम रहा। इसके अलावा, एचआरडी कांग्रेस के माध्यम से विश्वविद्यालय क्रमशः संकाय और छात्रों के लिए प्रशिक्षण, सलाह और नियुक्ति के अवसर पैदा करने में सक्षम रहा है।

विश्वविद्यालय ने उद्योग की वास्त्विक समझ के प्रति पेशेवरों को संवेदनशील बनाने के उद्देश्य से अद्वितीय "कॉर्पोरेट विसर्जन और नेतृत्व विकास कार्यक्रम" भी शुरू किया है जो कक्षा के शिक्षण को वास्तविक अनुभव प्रदान करने का प्रयास करता है।

12. सह पाठ्यक्रम गतिविधियां :

विश्वविद्यालय परिसर में खेल और अन्य सह-पाठयक्रम गतिविधियों के लिए सुविधाएं उपलब्ध करवाई गई हैं। इनमें वॉलीबॉल, बैडमिंटन और बास्केटबॉल जैसे आउटडोर खेल शामिल हैं। इसके अलावा, टेबल टेनिस, शतरंज और

कैरम जैसे इनडोर खेलों की सुविधाएं भी उपलब्ध हैं।

13. एनएसएस गतिविधियाँ :

छात्रों को सामुदायिक विकास और जागरूकता अभ्याजनों जैसी सह-पाठ्यचर्या संबंधी गतिविधियों में संलग्न करने के लिए राष्ट्रीय स्वगयं सेवा योजना (एनएसएस) इकाई को 2015 में जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में स्थाि्पत गया और विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों से 120 से अधिक स्वयं सेवकों का नामांकन इसके अंतर्गत किया गया । इसने विभिन्न गतिविधियों, रक्तदान शिविर, पीआरए के तहत यात्रा ब्धसहभागिता ग्रामीण मूल्यांकन, युवा महोत्सव में सहभागिता, गणतंत्र दिवस समारोह, डिजिटल इंडिया कार्यशाला आदि का आयोजन किया है।

14. व्यायामशाला :

विश्वविद्यालय ने मुख्य परिसर में पूरी तरह से सुसज्जित व्यायामशाला की स्थापना की है।

15. संयुक्त प्रशिक्षण क्लासेस :

विश्वविद्यालय के छात्रों के साथ-साथ एससी, एसटी, ओबीसी और पीडब्लूयडी के छात्रों सहित अन्य विश्वविद्यालयों के छात्रों को भी संयुक्त केंद्रीय और राज्य सेवा की प्रारंभिक परीक्षाओं की प्रशिक्षण कक्षाएं प्रदान कर रहा है।

16. योग में पीजी डिप्लोमा कोर्स :

छात्रों के लाभार्थ विश्वविद्यालय ने योग में 1 वर्ष का पीजी डिप्लोमा पाठ्यक्रम शुरू किया है।

17. उड़ान :

विश्वविद्यालय सांस्कृतिक उत्सव उड़ान का आयोजन करता है जहाँ छात्र विभिन्न क्षेत्रों जैसे गायन, नाच, चित्रकला, रंगोली बनाने आदि में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हैं।

18. सुविधायें :

(1) संकाय कक्ष और केबिन

शैक्षणिक और अनुसंधान गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए संकाय को पास आईटी-सक्षम क्यूबिकल्स और कार्य स्टेशनों को उपलब्ध करवाया गया है।

(2) संगोष्ठी हॉल

170 की बैठने की क्षमता वाले एक सुसज्जित संगोष्ठीस हॉल बनाया गया है। सभा, संगोष्ठी, शैक्षणिक

गतिविधियों आदि के लिए मुख्य परिसर में समिति कक्ष स्थापित किए गए हैं।

(3) चिकित्सा केंद्र

दोनों परिसरों में विश्वविद्यालय के छात्रों, कर्मचारियों और शिक्षकों के लिए इनडोर डॉक्टर की चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं।

(4) कैंटीन/कैफेटेरिया

विश्वविद्यालय में विशाल, हवादार कैंटीन है जहां छात्रों और शिक्षण संकाय को परिसर में स्वरच्छ्ता पूर्वक तैयार स्वच्छ खाना खाने को मिलता है।

(5) छात्रवास/छात्रावास

विश्वविद्यालय में तीन लड़कियों और एक लड़कों का छात्रावास है जो किराए के भवनों में चलाया जाता है। छात्रावास की सुविधा सीमित है और यह छात्रों योग्यता और उपलब्धंता के आधार पर प्रदान की जाती है।

वर्ष के दौरान उपलब्धियां

अप्रैल , 2019

शैक्षिक परिसर/अनुसंधान गतिविधियां

- **मौखिक परीक्षा**

  जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन एवं संगठनात्मक व्यवहार विभाग ने 15 अप्रैल, 2019 को पीएचडी शोधार्थी श्री जावेद अहमद तेली की मौखिक परीक्षा आयोजित की।

दौरा

- **परिनियमन(मॉडरेशन) बैठक**

  4 अप्रैल, 2019 को, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.अशोक ऐमा ने 17 और 18 जनवरी, 2019 के दौरान आयोजित मध्य प्रदेश - सेट के परिणाम को अंतिम रूप देने के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के अध्यक्ष द्वारा नामित विशेषज्ञ के रूप में मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग, इंदौर का दौरा किया।

संगोष्ठी /कार्यशाला /व्याख्यान

- **विस्तृत व्याख्यान**

  05 अप्रैल, 2019 को, केंद्रीय शिक्षा विभाग ने केंद्रीय विश्वविद्यालय, वाराणसी के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. सुधाकर सिंह द्वारा एक विस्तृत व्याख्यान का आयोजन किया।

- **बाल संरक्षण पर कार्यशाला**

  जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के सामाज कार्य विभाग ने एनएसएस इकाई के सहयोग से 09 अप्रैल, 2019 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के ब्रिगेडियर राजिंदर सिंह सभागार में अपने संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) वित्त पोषित परियोजना "जम्मू-कश्मीर में बाल संरक्षण के लिए स्वयंसेवा को बढ़ावा देना" के तहत छात्र स्वयं सेवकों के लिए दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य बाल संरक्षण के लिए प्रभावी स्वयं सेवक के रूप में कार्य करने के लिए छात्रों को प्रोत्साहित करना था।

- **प्रेरणादायक वार्ता**

  15 अप्रैल, 2019 को, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के समान अवसर प्रकोष्ठ ने जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के ब्रिगेडियर राजिंदर सिंह सभागार में श्री चनदीप एस सुदन द्वारा एक प्रेरणादायक भाषण का आयोजन किया।

- **राम सहाय मेमोरियल व्याख्यान**

  27 अप्रैल, 2019 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.अशोक ऐमा को जम्मू-कश्मीर क्षेत्रीय शाखा के भारतीय लोक प्रशासन संस्थान (आईआईपीए) द्वारा आयोजित "परिवारिक व्यापार-चुनौतियां एवं आगे की राह " पर " छठे श्री राम सहाय मेमोरियल व्याख्यान " में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था।

सभा / बैठक /सम्मलेन

- **सलाहकार के.के. गुप्ता के साथ बैठक**

  09 अप्रैल, 2019 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अशोक ऐमा ने जम्मू-कश्मीर के माननीय राज्यपाल के माननीय सलाहकार श्री के. के शर्मा से मुलाकात की और शोध तथा संकाय को मजबूत करने के लिए कार्य की विविधता और संबंधित कई मुद्दों पर चर्चा की।

- **विशेष सचिव उच्च शिक्षा के साथ बैठक**

  12 अप्रैल, 2019 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. रवि कुमार ने जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय की भूमि और अन्य मुद्दों पर चर्चा करने के लिए जम्मू के सामूहिक सचिवालय, जम्मू में विशेष सचिव उच्च शिक्षा द्वारा बुलाई गई बैठक में भाग लिया।

- **आई डी बी एस बैठक**

  22 अप्रैल, 2019 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अशोक ऐमा ने अंत:अनुशासनात्मक बोर्ड ऑफ रिसर्च स्टडीज (आईडीबीएस) की बैठक में भाग लिया।

  कश्मीर केंद्रीय विश्वविद्यालय के आईक्यूएसी हॉल में डिजाइन इनोवेशन सेंटर (डीआईसी), कश्मीर केन्द्रीय विश्वविद्यालय का आयोजन किया गया।

- **पूर्व छात्र सम्मेलन**

  26 अप्रैल, 2019 को जम्मू केन्द्रीय विश्वविद्यालय ने जम्मू केन्द्रीय विश्वविद्यालय के ब्रिगेडियर राजिंदर सिंह सभागार में द्वितीय पूर्व छात्र सम्मलेन का आयोजन किया, जिसमें 300 से ज्यादा पूर्व छात्रों ने हिस्सा लिया। जम्मू विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. मनोज धर मुख्य अतिथि थे। इस अवसर पर सीयूजे पूर्व छात्र संघ का चुनाव डॉ. वंदना शर्मा व उनकी टीम द्वारा किया गया। निम्नलिखित चुने गए थे -

  i) सभापति - सुश्री दिक्षा
  ii) उप-सभापति - श्री. आशिष मनहास
  iii) महासचिव - श्री. जसप्रीत
  iv) संयुक्त सचिव - श्री. जसप्रीत

  पूर्व छात्र सम्मेलन में सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया।

विविध

- **विश्वविद्यालय वार्षिक खेल सम्मेलन -2019**

  जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षा निदेशालय के तत्वावधान में 9 अप्रैल, 2019 को परिसर में विश्वविद्यालय की वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति ने मशाल जलाकर औपचारिक खेल सम्मलेन के शुभारम्भ की घोषणा की, जिसके बाद मशाल रिले और 100 मीटर दौड़, वॉली बॉल, कबड्डी, शॉटपुट, खो-खो और शतरंज, कैरम और

टेबल-टेनिस जैसी इंडोर खेल प्रतियोगिताओं जैसी कई खेल स्पर्धाएं आयोजित की गई। इसके अलावा निदेशालय ने विशेष रूप से दिव्यांग बच्चों की भागीदारी का आयोजन कर आयोजन को और अधिक सामाजिक रूप से प्रासंगिक बनाने के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सांबा का सहयोग किया था। श्री एम.के शर्मा, जिला- जिला सत्र न्यायाधीश, सांबा मुख्य अतिथि थे, इस अवसर पर एसएमवीडीएसबी के खेल निदेशक अशोक कुमार सोत्रा सम्मानित अतिथि थे और इस अवसर पर डीएलएसए, सांबा के सचिव सुश्री स्वाती गुप्ता विशेष आमंत्रित सदस्या थीं।

- **उडान -2019**

जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता छात्र कल्याण कार्यालय द्वारा 10 अप्रैल, 2019 को अपने मुख्य परिसर में दो दिवसीय वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव "उड़ान-2019" का आयोजन किया गया था। कार्यक्रम का उद्घाटन जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अशोक ऐमा ने किया। दो दिवसीय सांस्कृतिक उत्सव के दौरान आयोजित 07 कार्यक्रमों (जैसे फोटोग्राफी, पेंटिंग, कोलाज मेकिंग, रंगोली, फैशन शो, सामूहिक गीत और सामूहिक लोक नृत्य) में 300 से अधिक छात्रों ने भाग लिया। अंत में विभिन्न गतिविधियों के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए।

मई , 2019

शैक्षिक परिसर /अनुसंधान गतिविधियाँ

- **मौखिक परीक्षा**

जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन एवं संगठनात्मक व्यवहार विभाग ने 06 मई, 2019 को पीएचडी अध्येता श्री नीरज धीमान की मौखिक परीक्षा का आयोजन किया।

- **पाठ्य समिति**

जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग में पाठ्य समिति की बैठक 14 मई, 2019 को मुख्य परिसर राया –सूचानी (बागला) में आयोजित की गई।

- **पाठ्य समिति**

जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कंप्यूटर विज्ञान एंव सूचना प्रौद्योगिकी विभाग में पाठ्य समिति की बैठक 21 मई, 2019 को मुख्य परिसर राया –सुचानी (बागला) में आयोजित की गई।

- **सीयूसीईटी(CUCET)-2019**

25 और 26 मई, 2019 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय ने संयुक्त प्रवेश परीक्षा (सीयूसीईटी) -2019 का आयोजन किया, जो जम्मू क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर 15 केंद्रीय विश्वविद्यालयों का कोलेजियम है, जम्मू (03 केंद्र), ऊधमपुर (01 केंद्र), कठुआ (01 केंद्र), सांबा (01 केंद्र), राजौरी (01 केंद्र) और डोडा (01 केंद्र)। जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय को अखिल भारतीय अभ्यर्थियों से करीब 42000 आवेदन प्राप्त हुए थे और प्रवेश परीक्षा में 13000 अभ्यर्थी शामिल हुए थे।

- **योग में पी.जी.डिप्लोमा**

  30 मई, 2019 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अशोक ऐमा ने जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में एक वर्षीय योग में पी.जी. डिप्लोमा (2019-20) के द्वितीय बैच का उद्घाटन किया।

दौरे

- **त्रिपक्षीय समझौता**

  2 मई, 2019 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अशोक ऐमा ने सीयूजे, एमएचआरडी और यूजीसी के बीच त्रिपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली का दौरा किया था।

- **विशेषज्ञ समिति दौरा**

  जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अशोक ऐमा ने 10 और 11 मई, 2019 को अन्य सदस्यों के साथ विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा नामित विशेषज्ञ दल के अध्यक्ष के रूप में ए.पी.जे. अब्दुल कलाम विश्वविद्यालय, इंदौर, मध्य प्रदेश का दौरा किया।

- **विशेषज्ञ समिति**

  जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अशोक ऐमा ने 16 और 17 मई, 2019 को अन्य सदस्यों के साथ विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा नामित विशेषज्ञ दल के अध्यक्ष के रूप में वेल विज्ञान एंव प्रौद्योगिकी और उन्नत अध्ययन संस्थान (डिम्म विश्वविद्यालय) पल्लवराम, चेन्नई का दौरा किया।

- **राजभाषा निरीक्षण समिति**

  31 मई, 2019 को तीन सदस्यीय समिति में श्री दयाल कृष्ण शर्मा, अनुभाग अधिकारी, यूजीसी, यूजीसी के निजी सचिव श्री नंद लाल और यूजीसी की हिंदी सलाहकार सुश्री उर्सुला मिंज ने जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में राजभाषा कार्यान्वयन नीति के निरीक्षण हेतु जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय का दौरा किया।

संगोष्ठी /कार्यशाला/व्याख्यान

- **नेतृत्व सम्मेलन**

  03 मई, 2019 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अशोक ऐमा को मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था, जो "नेतृत्व सम्मेलन 2019: औद्योगिक नेतृत्व 4.0, शिक्षा 4.0 और भारत 4.0" पर आयोजित किया जा रहा है, जो स्कूल प्रबंधन, मॉडल इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (एमआईईटी), कोट भीलवाल, जम्मू में आयोजित किया गया था।

- **शिक्षक शिक्षा के रुझान पर राष्ट्रीय संगोष्ठी**

  04 मई, 2019 को रंजीत शिक्षा महाविद्यालय, जम्मू द्वारा आयोजित शिक्षक शिक्षा के रुझान पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो . अशोक ऐमा को आमंत्रित किया गया था।

- **डॉ. रैना द्वारा व्याख्यान**

  26 मई, 2019 को, सरकारी चिकित्सा महाविद्यालय, जम्मू के ब्लड बैंक के पूर्व प्रोफेसर डॉ. टी. आर. रैना और उन्नत योग केंद्र राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय, जम्मू के पूर्व कार्यक्रम निदेशक, को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा योग के माध्यम से समग्र स्वास्थ्य, तनाव विज्ञान और इसके प्रबंधन पर व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया था। प्रस्तुति के दौरान डॉ. रैना ने बताया कि कैसे विज्ञान और अध्यात्म क्वांटम भौतिकी के हालिया विज्ञान के आधार पर अंतर और परस्पर संबंधित है और एक चिकित्सा पेशेवर के समग्र विकास के लिए जीवन का योगिक तरीका कैसे महत्वपूर्ण है। स्मृति शक्ति को कैसे बढ़ाया जाए, इस पर एक विशेष व्यावहारिक सत्र भी हुआ जिसकी सभी द्वारा सराहना की गई।

बैठक /सभा /सम्मेलन

- **वित्त समिति की 17वीं बैठक**

  जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय की वित्त समिति की 17वीं बैठक 31 मई, 2019 को इसके मुख्य परिसर राया-सुचानी (बागला) में आयोजित की गई।

विविध

- **पुस्तक विमोचन**

  13 मई, 2019 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अशोक ऐमा ने प्रिंसिपल (सेवानिवृत्त) श्री अजीत सिंह नागरा द्वारा लिखित आस्थाओं और फोर्ड फाइंडर्स नामक पुस्तक का विमोचन किया। पुस्तक में सभी प्रमुख धर्मों के संस्थापकों, उनकी शिक्षाओं और ज्ञान रेखाचित्र शामिल हैं। इस पुस्तक का उद्देश्य "विविधता में विश्वविद्यालय" को एक व्यावहारिक तथ्य बनाने के लिए संकीर्ण विचारों की बाधाओं को दूर करके बंधुत्व, सद्भाव और प्रेम की भावनाओं को बढ़ावा देकर सांप्रदायिक सद्भाव के बंधन को मजबूत करना था।

- **हस्तपुस्तिका विमोचन**

  13 मई, 2019 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति, प्रो. अशोक ऐमा, प्रो. महराज-उद-दीन, कुलपति, कश्मीर केंद्रीय विश्वविद्यालय, जम्मू क्लस्टर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. अंजू भसीन और टाटा ट्रस्ट, नई दिल्ली की एचआर अधिकारी सुश्री मनोरमा बख्शी ने जम्मू विश्वविद्यालय के बिजनेस स्कूल के कांफ्रेंस हॉल में यूनिसेफ वित्त पोषित कार्यक्रम के तहत समाज कार्य विभाग द्वारा तैयार "जम्मू-कश्मीर में बाल संरक्षण के लिए स्वयंसेवा को बढ़ावा देना" शीर्षक पर पुस्तिका का विमोचन किया।

जून , 2019

शैक्षिक परिसर /अनुसंधान गतिविधियाँ

- **पाठ्य समिति**

  जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग में पाठ्य समिति की बैठक 19 जून, 2019 को अस्थायी शैक्षिक खण्ड, सैनिक कॉलोनी, जम्मू में आयोजित की गई थी।

संगोष्ठी/कार्यशाला/व्याख्यान

- **राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2019 पर संगोष्ठी**

  26 जून, 2019 को कश्मीर केंद्रीय विश्वविद्यालय के विद्यालयी शिक्षा द्वारा आयोजित "राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2019 का मसौदा" विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो . अशोक ऐमा को आमंत्रित किया गया था।

सभा /बैठक/सम्मेलन

- **जीडीएमयूएन 2019**

  02 जून, 2019 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति, प्रो. अशोक ऐमा को जीडी गोयनका मॉडल संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन के पुरस्कार समारोह के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था।

- **माननीय मंत्री, मानव संसाधन विकास मंत्रालय के साथ बैठक**

  13 जून, 2019 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अशोक ऐमा ने नई दिल्ली के शास्त्री भवन में माननीय मंत्री एचआरएम द्वारा बुलाई गई बैठक में भाग लिया।

- **छटी शासन मंडल की बैठक, बीजीएसबीयू**

  15 जून, 2019 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अशोक ऐमा ने जम्मू में आयोजित बाबा गुलाम शाह बदशाह विश्वविद्यालय, राजौरी के अभियांत्रिकी एंव प्रौद्योगिकी विद्यालय के छठी शासन मंडल समिति की बैठक में भाग लिया।

- **राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2019 पर गोल मेज सम्मेलन**

  जम्मू विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग के सहयोग से पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण मिशन के तहत जम्मू विश्वविद्यालय के विद्यालयी शिक्षा ने 18 जून, 2019 को एक राउंड टेबल कांफ्रेंस का आयोजन किया, जिसमें जम्मू-कश्मीर के सभी हितधारकों को संवाद स्थापित करने और एमएचआरडी द्वारा जारी राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2019 के मसौदे पर प्रवचन को प्रजातंत्रीकृत करने हेतु सम्मलित किया गया। इस सम्मेलन का व्यापक उद्देश्य शिक्षा नीति पर पुनर्विचार करना और सहयोग करना, विभिन्न विचारों पर ध्यान देना, राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर विभिन्न हितधारकों के साथ बातचीत स्थापित करना और भारत सरकार के एमएचआरडी को सिफारिशें देना था। सम्मेलन में राज्य भर के हितधारकों का व्यापक प्रतिनिधित्व था। इस सम्मेलन में जम्मू-कश्मीर राज्य और केंद्रीय विश्वविद्यालयों के

शिक्षक शिक्षकों, स्कूल शिक्षा के निदेशक, जम्मू-कश्मीर; सचिव उच्च शिक्षा विभाग, जम्मू-कश्मीर, संयुक्त निदेशक सीई, जम्मू-कश्मीर और राज्य के अन्य प्रशासकों ने भाग लिया है।

संकाय /स्टाफ

➢ साक्षात्कार

- 17 जून, 2019 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय ने अपने मुख्य परिसर बागला में आंतरिक लेखा परीक्षा अधिकारी के पद के लिए साक्षात्कार आयोजित किए।

- जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय ने अपने मुख्य परिसर में 17 जून, 2019 को बिल्कुल अस्थायी आधार पर महर्षि दयानंद सरस्वती चेयर के तहत चेयर प्रोफेसर के पद के लिए साक्षात्कार आयोजित किया।

विविध

➢ राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के संबंध में समझौता (NCAP)

6 जून, 2019 को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के पर्यावरण अध्ययन विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ. श्वेता यादव ने जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय की ओर से राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम समझौता (जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय, जम्मू-कश्मीर राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के बीच) हस्ताक्षर किए। इस विश्व पर्यावरण दिवस-2019 का विषय वायु प्रदूषण को हराना है और श्री प्रकाश जावड़ेकर (पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री) और श्री बाबुल सुप्रियो (माननीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री) और मंत्रालय के कई अन्य गणमान्य व्यक्तियों, विभिन्न राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों और विभिन्न राज्यों के नोडल अधिकारियों की उपस्थिति में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। सीयूजे परिवार के लिए यह गर्व की बात है कि अब हम राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनसीएपी) के रूप में व्यापक तरीके से देश भर में बढ़ती वायु प्रदूषण की समस्या से निपटने के लिए अखिल भारतीय कार्यान्वयन के लिए इस समयबद्ध राष्ट्रीय स्तर की रणनीति का हिस्सा हैं।

➢ मंतलाई में योग शिविर

अंतराष्ट्रीय योग दिवस के आलोक में 9 जून, 2019 को जिला ऊधमपुर के मंतलाई में नि: शुल्क योग शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का आयोजन जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के सहयोग से किया गया था। डुग्गर हेरिटेज सोसायटी, ऊधमपुर; भारतीय योग संस्थान ऊधमपुर और मंतलाई में आर्ट ऑफ लिविंग का आयोजन किया गया। शिविर में करीब 120 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर जम्मू के प्रसिद्ध हार्ट सर्जन डॉ. एमएल शर्मा मुख्य अतिथि थे।

➢ 5 वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

5वॉ अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय ने 21 जून, 2019 को अपने अस्थायी शैक्षणिक ब्लॉक (टैब), सैनिक कॉलोनी, जम्मू में एक कार्यक्रम का आयोजन किया। जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के योग केंद्र द्वारा नेहरू युवा संगठन जम्मू- कश्मीर

के सहयोग से कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अशोक ऐमा मुख्य अतिथि थे, जबकि जम्मू के आईपीएमए की पूर्व निदेशक श्री विक्रम सिंह रंधाव (एमएलसी) और जम्मू के आईपीएमए की पूर्व निदेशक प्रो. इंदु ऐमा अतिथि थीं। नेहरू युवा संगठन जम्मू-कश्मीर के निदेशक बिक्रम सिंह गिल ने समारोह की अध्यक्षता की। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के छात्रों, शिक्षकों, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों और नेहरू युवा संगठन के स्वयंसेवकों सहित लगभग 1200 लोगों ने भाग लिया। आयुष मंत्रालय द्वारा स्थापित सामान्य योग प्रोटोकॉल के अनुसार सभी प्रतिभागियों द्वारा योग आसन और प्राणायाम किए गए।

जुलाई , 2019

संगोष्ठी/कार्यशाला/व्याख्यान

अभिविन्यास व्याख्यान

- 10 जुलाई, 2019 को, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अशोक ऐमा ने जम्मू विश्वविद्यालय के मानव संसाधन विकास (एचआरडीसी) में विश्वविद्यालय और महाविद्यालय व्याख्याताओं को "इज एक्सीलेंस ए मिथ और रियेलटी" विषय पर एक अभिविन्यास व्याख्यान दिया।

- **83वॉ सामान्य अभिविन्यास पाठ्यक्रम**

  12 जुलाई, 2019 को, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अशोक ऐमा को यूजीसी - मानव संसाधन केंद्र, कश्मीर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 83वॉ सामान्य अभिविन्यास पाठ्यक्रम के लिए रिसोर्स पर्सन के रूप में आमंत्रित किया गया था।

बैठक /सभा /सम्मेलन

- **राष्ट्रीय शैक्षिक डिपोजिटर (NAD) बैठक**

  जम्मू-कश्मीर क्षेत्र के सभी शैक्षिक संस्थानों के लिए एक दिवसीय एनएडी राष्ट्रीय स्तर की समीक्षा बैठक 3 जुलाई, 2019 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में आयोजित की गई थी।

- **84वीं नैक कार्यकारी समिति की बैठक**

  जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अशोक ऐमा ने नई दिल्ली के नैक (NAAC) कार्यालय में 05 जुलाई, 2019 को आयोजित नैक(NAAC) कार्यकारी समिति की 84 वीं बैठक में भाग लिया।

अगस्त, 2019

दौरा

➢ **मौखिक परीक्षा**

09 अगस्त, 2019 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अशोक ऐमा को रैफल्स विश्वविद्यालय द्वारा श्री संजीव कुमार के मौखिक परीक्षा के संचालन के लिए परीक्षक के रूप में और पीएचडी की उपाधि प्रदान करने के लिए आमंत्रित किया गया था।

बैठक /सभा /सम्मेलन

➢ **राष्ट्रीय मूल्यांकन एंव प्रत्यायन परिषद (NAAC) कार्यपालक समिति/वित्त समिति की बैठक**

20 अगस्त, 2019 को, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अशोक ऐमा ने नई दिल्ली के अंतर विश्वविद्यालय त्वरक केंद्र (IUAC) में आयोजित नैक कार्यपालक समिति/कार्यकारी समिति की बैठक में भाग लिया।

➢ **पैनल चर्चा**

31 अगस्त, 2019 को, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अशोक ऐमा को मॉडल इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन एंड रिसर्च (MIER), जम्मू द्वारा पैनलिस्ट के रूप में आमंत्रित किया गया था, जो विश्व स्तरीय शैक्षिक संस्थानों के निर्माण: मुद्दों और चुनौतियों- विषय पर पैनल चर्चा में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया था।

संकाय /स्टाफ

➢ **सी ए एस (CAS) द्वारा संकाय का पदोन्नति**

23 अगस्त, 2019 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय ने अर्थशास्त्र विभाग के डॉ. अनिल कुमार भारती और डॉ प्रीति गुप्ता और कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के डॉ. नीरेंद्र कुमार को स्टेज-1 से स्टेज-2 में सी.ए.एस पदोन्नति के लिए स्क्रीनिंग-कम मूल्यांकन समिति का संचालन किया।

➢ **साक्षात्कार**

- जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय ने अपने मुख्य परिसर राया-सुचानी (बागला) में 26 अगस्त, 2019 को वनस्पति विज्ञान एवं प्राणी विज्ञान विभाग में बिल्कुल अस्थायी नियुक्ति पर सहायक प्रोफेसर के पदों के लिए साक्षात्कार का आयोजन किया गया।
- जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय ने अपने मुख्य परिसर राया- सुचानी (बागला) में 27 अगस्त, 2019 को भौतिकी एवं रसायन विज्ञान विभाग में सहायक प्रोफेसर के पदों पर बिल्कूल अस्थायी नियुक्ति के लिए साक्षात्कार का आयोजन किया गया।
- केंद्रीय विश्वविद्यालय जम्मू ने अपने मुख्य परिसर राया- सुचानी (बागला) में 28 अगस्त, 2019 को गणित, अंग्रेजी और पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन विभाग में विशुद्ध रूप से अस्थायी नियुक्ति पर सहायक प्रोफेसर के पदों के लिए वॉक-इन-इंटरव्यू आयोजित किए।

विविध

- **73 वां स्वतंत्रता दिवस समारोह**

15 अगस्त, 2019 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अशोक ऐमा ने कुलसचिव डॉ. रवि कुमार के साथ मुख्य परिसर राया-सुचानी बागला में छात्रों, विद्वानों, संकाय सदस्यों, अधिकारियों, विभिन्न संघों के पदाधिकारियों, कर्मचारियों और उनके परिवारों की उपस्थिति में तिरंगा फहराया गया।

- **सिविल सेवा परीक्षा के लिए कोचिंग**

सिविल सेवा परीक्षा (प्रारंभिक) के लिए संयुक्त प्रतियोगी कोचिंग कक्षाओं के चौथे बैच का उद्घाटन 21 अगस्त, 2019 को अपने अस्थायी शैक्षिक खण्ड, सैनिक कॉलोनी, जम्मू में आयोजित किया गया था, जिसमें कंप्यूटर विज्ञान और आईटी विभाग के प्रो. देवानंद पाधा मुख्य अतिथि थे। इसकी जांच परीक्षा 04 अगस्त, 2019 को आयोजित किया गया था, जिसमें 66 में से 57 छात्रों ने जांच परीक्षा पास किया था।

- **रक्तदान शिविर**

जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई ने 26 अगस्त, 2019 को अपने मुख्य परिसर राया- सुचानी (बागला) में राजकीय मेडिकल महाविद्यालय, जम्मू के सहयोग से रक्तदान शिविर का आयोजन किया। मुख्य वक्ता का संबोधन करते हुए जीएमसी जम्मू के हीमेटोलॉजी विभाग के प्रोफेसर व विभागाध्यक्ष डॉ. विजय शावनी ने रक्तदान के महत्व व स्वास्थ्य लाभ पर प्रकाश डाला। कुलपति ने स्वयं रक्तदान किया जिसके बाद अन्य रक्तदाताओं ने रक्तदान किया।

- **फिट इंडिया मूवमेंट –**

शारीरिक शिक्षा विभाग और अधिष्ठाता कार्यालय के तत्वावधान में 29 अगस्त, 2019 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में फिट इंडिया मूवमेंट उत्साह और धूमधाम से मनाया गया। इस ऐतिहासिक दिन माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने फिट इंडिया मूवमेंट कार्यक्रम के सीधे प्रसारण के साथ ही इस कार्यक्रम की शुरुआत की, इसके बाद माननीय कुलपति प्रो. अशोक ऐमा और विश्वविद्यालय के सभी संकाय, कर्मचारी और छात्रों ने फिटनेस की शपथ ली। इस अवसर पर कुलपति महोदय ने पदयात्रा को हरी झंडी दिखा कर आरंभ किया।

सितम्बर, 2019

दौरा

- **स्पाइसर एडवेंटिस्ट विश्वविद्यालय का दौरा**

जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अशोक ऐमा ने यूजीसी के चेयरमैन द्वारा नामित विशेषज्ञ समिति के अध्यक्ष के रूप में स्पाइसर एडवेंटिस्ट विश्वविद्यालय, पुणे का दौरा किया, साथ ही 12 से 14 सितंबर, 2019 तक अन्य सदस्यों के साथ कार्यक्रमों, संकाय, ढांचागत सुविधाओं, वित्तीय सक्षमता आदि के संदर्भ में मानदंडों की पूर्ति का मौके पर आकलन किया ।

➢ **माननीय कुलाधिपति ने सीयूजे परिसर का दौरा किया**

16 सितंबर, 2019 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के माननीय कुलाधिपति एवं पूर्व राजदूत जी. पार्थसारथी ने सीयूजे परिसर का दौरा किया और कुलपति, कुलसचिव, विभिन्न विभागों के संकाय व छात्रों के साथ बातचीत की।

सभा /बैठक /सम्मेलन

➢ **उच्च शिक्षा की वित्तपोषक संस्था (HEFA) परियोजना पर बैठक की समीक्षा**

17 सितंबर, 2019 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अशोक ऐमा ने नई दिल्ली के कांस्टीट्यूशन क्लब में आयोजित उच्च शिक्षा की वित्तपोषक संस्था (HEFA) परियोजनाओं पर समीक्षा बैठक में भाग लिया जिसकी अध्यक्षता माननीय एचआरएम के मंत्री ने की थी।

संकाय /स्टाफ

➢ **साक्षात्कार**

- जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय ने 04 सितंबर, 2019 को सामाज कार्य एवं अर्थशास्त्र विभाग में बिलकूल अस्थायी नियुक्ति पर सहायक आचार्यों के पद के लिए साक्षात्कार का आयोजन किया गया था।
- जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय ने मानव संसाधन प्रबंधन और ओबी, पर्यटन और यात्रा प्रबंधन विभाग और बी.वॉक/ एम.वॉक कार्यक्रम और गणित विभाग में अतिथि संकाय के पद के लिए 06 सितंबर, 2019 को अनुबंध के आधार पर सहायक आचार्य के लिए साक्षात्कार का आयोजन किया गया।
- जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय ने 12 सितंबर, 2019 को भौतिकी एवं खगोल विज्ञान विभाग में अतिथि संकाय और सहायक आचार्य के पद के लिए साक्षात्कार का आयोजन किया गया।
- जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय ने शैक्षिक अध्ययन विभाग (विशिष्ट क्षेत्र: भूगोल और राजनीति विज्ञान) के तहत बीए/बीएड कार्यक्रम के लिए अतिथि संकाय के पद के लिए और 30 सितंबर, 2019 को रसायन एवं रसायन शास्त्र विज्ञान विभाग में अनुबंध के आधार पर सहायक आचार्य के पदों के लिए साक्षात्कार का आयोजन किया गया।

➢ **सी ए एस (CAS) द्वारा संकाय की पदोन्नति**

11 सितंबर, 2019 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय ने पर्यावरण विज्ञान विभाग में डॉ. सुनील धर को सह-आचार्य (शैक्षिक स्तर 13ए) से आचार्य (शैक्षिक स्तर 14) और भौतिकी एवं खगोलीय विज्ञान विभाग में डॉ सूरम सिंह को सहायक आचार्य (अकादमिक स्तर 12) से सह आचार्य (शैक्षिक स्तर 13ए) में सीएएस (CAS) पदोन्नति के लिए चयन समिति का आयोजन किया गया।

विविध

➢ **युवा संसद**

5 सितंबर, 2019 को जम्मू विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित युवा संसद में जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो अशोक ऐमा को निर्णायक सदस्य के रूप में आमंत्रित किया गया था।

➢ **समावेशन दिवस**

19 और 20 सितंबर, 2019 को, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय ने अपने मुख्य परिसर में नवप्रवेषित स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों के लिए समावेशन कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अशोक ऐमा ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। सीयूजे में नए प्रवेश लेने वाले छात्रों का स्वागत करते हुए प्रो. अशोक ऐमा ने कहा कि छात्र हमारे राजदूत हैं, इसलिए उन्हें खुद को केवल एक विषय तक सीमित नहीं रखना चाहिए और हमेशा दूसरें विषयों से भी ज्ञान प्राप्त करने की सेवार्थ रहना चाहिए।

➢ **समझौता ज्ञापन**

26 सितंबर, 2019 को जम्मू केन्द्रीय विश्वविद्यालय एवं रक्षा अनुसंधान एंव विकास संगठन (डीआरडीओ) ने विश्वविद्यालय में विज्ञान और प्रौद्योगिकी कलाम केंद्र की स्थापना के लिए समझौता किया। रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह, रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के अध्यक्ष डॉ. जी सतीश रेड्डी; सीयूजे के कुलाधिपति, पूर्व राजदूत जी पार्थसारथी, डीआरडीओ कार्यालय नई दिल्ली में सीयूजे कुलपति प्रो. अशोक ऐमा व अन्य की उपस्थिति में इस समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। । इस समझौता ज्ञापन का मुख्य उद्देश्य पहचान किए गए अनुसंधान कार्यक्षेत्रों में एक बहु-विषयक निर्देशित आधार और अनुप्रयुक्त अनुसंधान और प्रौद्योगिकी, कम्प्यूटेशनल सिस्टम सुरक्षा और सेंसर के विकास की सुविधा प्रदान करना है।

अक्टूबर, 2019

दौरा

➢ **नए उपराज्यपाल, जम्मू-कश्मीर का शपथ समारोह**

31 अक्टूबर, 2019 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अशोक ऐमा ने श्रीनगर का दौरा कर जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश के प्रथम उपराज्यपाल के रूप में श्री गिरीश चंद्र मुर्मू के शपथ समारोह में भाग लिया।

संगोष्ठी/कार्यशाला/व्याख्यान

➢ **विशिष्ट व्याख्यान श्रृंखला**

3 अक्टूबर, 2019 को विदेश मंत्रालय (विदेश प्रचार और लोक कूटनीति प्रभाग) के सहयोग से राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन विभाग ने "भारत पश्चिम एशिया संबंध: एक सफलता की कहानी" पर सऊदी अरब, ओमान में भारतीय पूर्व राजदूत तलमीज अहमद और इंटरनेशनल स्टडीज सिम्बायोसिस इंटरनेशनल विश्वविद्यालय पुणे के लिए राम साठे चेयर प्रोफेसर द्वारा विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। जम्मू विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और अर्थशास्त्र के प्रोफेसर दीपांकर सेनगुप्ता ने चर्चा की एवं अपनी टिप्पणी दी है जिसमें बाइनरी में इस क्षेत्र को देखने के बजाय हमारे पुराने सांस्कृतिक और व्यापारिक संपर्कों को पुनर्जीवित करके पश्चिम एशिया के साथ जुड़ने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया है।

➢ **संकाय विकास कार्यक्रम**

जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कंप्यूटर विज्ञान एंव सूचना प्रौद्योगिकी विभाग ने एआईसीटीई द्वारा प्रायोजित एक सप्ताह की एआईसीटीई (अटल) संकाय विकास कार्यक्रम का आयोजन 14 से 18 अक्टूबर, 2019 तक किया गया।

➢ **गोल मेज चर्चा**

16 अक्टूबर, 2019 को, सुरक्षा अध्ययन विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय ने "कला के निराकरण के बाद सीमावर्ती सुरक्षा " पर राउंड टेबल चर्चा का आयोजन किया। इस मौके पर मुंबई के गेटवे हाउस (एक प्रमुख विचारक) के वरिष्ठ सहयोगी डॉ. समीर पाटिल अतिथि वक्ता थे।

➢ **राष्ट्रीय संगोष्ठी/ पुस्तक विमोचन**

जम्मू विश्वविद्यालय ने आईसीएसएसआर के सहयोग से तुलनात्मक धर्म एवं सभ्यता केंद्र ने संयुक्त रूप से जम्मू विश्वविद्यालय में 22 और 23 अक्टूबर, 2019 को भारतीय विचारों में जम्मू और कश्मीर का योगदान विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। महात्मा गांधी अंतराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा के कुलपति प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल मुख्य अतिथि थे। इस मौके पर उन्होंने डॉ. काशी नाथ पंडिता द्वारा लिखित " टैन, स्टडीज़ इन कश्मीर हिस्ट्री एंड पोलटिक्स" नामक पुस्तक का विमोचन भी किया।

मिलन/बैठक/सम्मेलन

➢ **विश्वविद्यालय निर्माण समिति की 17वीं बैठक**

जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय की विश्वविद्यालय भवन निर्माण समिति की 17वीं बैठक 30 अक्टूबर, 2019 को इसके मुख्य परिसर में हुई थी, जिसमें जिला के गांव बागला, राया-सुचानी में विश्वविद्यालय के परिसर के विकास के संबंध में परिसीमन किया गया था। समिति ने भवन निर्माण समिति की 16वीं बैठक के कार्यकलायों और पिछली बैठक में लिए गए निर्णय पर की गई कार्रवाई की भी पुष्टि की।

संकाय /स्टाफ

➢ **साक्षात्कार**

10 अक्टूबर, 2019 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय ने शैक्षिक अध्ययन विभाग में आचार्य, सह आचार्य और सहायक आचार्य के पद के लिए साक्षात्कार आयोजित किए गया।

11 अक्टूबर, 2019 को, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय ने भौतिकी और खगोलीय विज्ञान विभाग में सह आचार्य के पद के लिए, हिंदी और अन्य भारतीय भाषा विभाग में आचार्य और सह आचार्य के पद के लिए और अर्थशास्त्र विभाग में सह आचार्य के पद के लिए साक्षात्कार आयोजित किए।

12 अक्टूबर, 2019 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय ने प्राणी विज्ञान विभाग में सह आचार्य के पद के लिए और जन संचार एंव नवीन मीडिया विभाग में आचार्य के पद के लिए और आणविक विज्ञान केंद्र में साक्षात्कार का आयोजन किया गया।

नबम्बर , 2019

दौरा

➢ **डीआरडीओ के अधिकारियों के साथ बैठक**

09 नवंबर, 2019 को डीआरडीओ मुख्यालय, नई दिल्ली के दस सदस्यों की टीम ने ओएस एंड डीजी (मेड एंड कॉज) के नेतृत्व में जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय का दौरा किया और जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में कलाम विज्ञान एंव प्रौद्योगिकी केंद्र की स्थापना के लिए चयन स्थान के संबंध में जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय का दौरा किया।

संगोष्ठी/कार्यशाला/व्याख्यान

➢ **पुनश्चर्या पाठ्यक्रम पर व्याख्यान**

15 नवंबर, 2019 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अशोक ऐमा को यूजीसी-मानव संसाधन विकास केंद्र, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय शिमला द्वारा कॉमर्स एंड प्रबंधन पर पुनर्श्चया पाठ्यक्रम के प्रतिभागियों को व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया था। उन्होंने "उत्कृष्टता एक मिथक या वास्तविकता है" विषय पर बात की।

➢ **वार्तालाप व्याख्यान**

16 नवंबर, 2019 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अशोक ऐमा को हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय हमीरपुर ने एमबीए कार्यक्रम के छात्रों से बातचीत के लिए आमंत्रित किया था।

➢ **संकाय विकास कार्यक्रम**

जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग ने 18 से 22 नवंबर, 2019 तक एआईसीटीई द्वारा प्रायोजित "आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस" पर एक सप्ताह एआईसीटीई (अटल) संकाय विकास कार्यक्रम का आयोजन किया।

➢ **अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला**

25 नवंबर, 2019 को, केंद्रीय विज्ञान विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय ने "आइस न्यूक्लियाइजेशन में एयरोसोल की भूमिका: एक जलवायु परिप्रेक्ष्य" पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया। यूके के ओशियन लैब, वेल्स के बायो मौसम विज्ञानी डॉ. ब्रूस एफ मोफेट प्रख्यात वक्ता थे जबकि जेकेएसपीबी के पूर्व अध्यक्ष श्री रवि केसर कार्यशाला के विशेष अतिथि थे।

बैठक/सभा /सम्मेलन

➢ **दक्षिण एशिया में जीवन आख्यान पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन**

जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में 06 नवंबर 2019 को "मल्टीपल सेल्फ इन मल्टीपल टेक्स्ट: लाइफ आख्यान इन साउथ एशिया" पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन किया गया। जम्मू विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. मनोज धर मुख्य अतिथि और श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर. के. सिन्हा, अतिथि थे जबकि प्रो. गणेश देव ने मुख्य भाषण दिया। मुख्य वक्ता लेखक व

सांस्कृतिक कार्यकर्ता प्रो. गणेश देव ने स्वयं की समस्याओं को लेकर विस्तार से जानकारी दी और इस बात पर जोर दिया कि आत्म-अभिव्यक्ति से ही बचेंगे। जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अशोक ऐमा मुख्य अतिथि थे जबकि प्रो. चंद्र मोहन ने 07 नवंबर, 2019 को समापन सत्र की अध्यक्षता की थी।

- **गांधीवादी दर्शन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन**

  07 नवंबर, 2019 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय ने जम्मू विश्वविद्यालय एंड सर्वोदय इंटरनेशनल ट्रस्ट के सहयोग से जम्मू विश्वविद्यालय के जनरल जोरावर सिंह सभागार में "गांधीवादी दर्शन के गुणों पर पुनर्विचार: प्रासंगिकता और प्रयोज्यता" पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। इस अवसर पर राज्यसभा के माननीय उपसभापति डॉ. हरिवंश नारायण सिंह मुख्य अतिथि थे।

- **एआईयू (AIU) उत्तर क्षेत्र के कुलपतियों की बैठक-2019**

  17 नवंबर, 2019 को जम्मू के कटरा स्थित श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय कटरा में आयोजित दो दिवसीय एआईयू उत्तर क्षेत्र कुलपति बैठक -2019 के दौरान तकनीकी सत्र- ii पर अध्यक्ष एवं वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था।

- **सीयूजे की 12वीं शैक्षिक परिषद की बैठक**

  जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय की 12वीं एकेडमिक काउंसिल की बैठक 22 नवंबर, 2019 को इसके मुख्य परिसर राया सुचानी (बागला) सांबा में हुई थी।

- **नैक (NAAC) कार्यकारी समिति की बैठक**

  नई दिल्ली स्थित नैक कार्यालय में 27 नवंबर, 2019 को आयोजित नैक कार्यकारी समिति की बैठक में जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अशोक ऐमा ने भाग लिया।

विविध

- **भारतीय संविधान दिवस का आयोजन**

  जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय ने 26 नवंबर, 2019 को अपने परिसर में भारतीय संविधान की 70 वीं वर्षगांठ मनाई, जिसमें जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलसचिव ने भारत संविधान की प्रस्तावना पढ़ी। संसद भवन से संविधान दिवस की कार्यवाही का सीधा प्रसारण विश्वविद्यालय सभागार में भी दिखाया गया, जिसमें विश्वविद्यालय के लगभग 200 छात्र, शोधार्थी, प्राध्यापक और कर्मचारी मौजूद रहे। इस अवसर पर भारतीय संविधान की संघीय विशेषताएं: राज्यों के लिए निहितार्थ और भारतीय संविधान की गतिशीलता विषय पर पैनल चर्चा विषय पर निबंध प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया।

- **सर्वे रिपोर्ट जारी करना**

  23 नवंबर, 2019 को, कुलपति, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय, जम्मू नगर निगम के मेयर, डिप्टी मेयर और आयुक्त ने संयुक्त रूप से "जम्मू-कश्मीर में शहरी बेघर व्यक्तियों" पर एक सर्वेक्षण रिपोर्ट जारी की।

दिसंबर, 2019

दौरा

जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अशोक ऐमा ने यूजीसी अधिनियम, 1956 की धारा 12-बी के तहत इसे शामिल करने के लिए यूजीसी द्वारा संस्थान के मूल्यांकन के लिए गठित अन्य सदस्यों के साथ विशेषज्ञ टीम के अध्यक्ष के रूप में 3 से 4 दिसंबर, 2019 तक गुजरात प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय का दौरा किया।

संगोष्ठी/कार्यशाला/व्याख्यान

- **जम्मू साहित्यिक महोत्सव**

  जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग ने 14 दिसंबर 2019 को यावर-जम्मू साहित्यिक का आयोजन किया, जिसका आयोजन यावर एक साहित्यिक और सांस्कृतिक संगठन द्वारा किया गया। डोगरी साहित्य पर संगोष्ठी: रेट्रोस्पेक्ट और संभावनाएं दिन भर की कार्यवाही के ज्ञानवर्धक सत्रों में से एक थे, जिसमें प्रो. ललित मगोत्रा (लेखक), ओपी शर्मा विद्यार्थी (निदेशक, एसएफआरआई जेएंडके सरकार), डॉ. वंदना शर्मा एचओडी इंग्लिश सीयूजे, डॉ संदीप सूफी (सहायक प्रो डोगरी जम्मू विश्वविद्यालय) और श्री सुरजीत होश (सांस्कृतिक अधिकारी डीएससी जम्मू) जैसे विशिष्ट दिग्गजों ने डोगरी भाषा और साहित्य पर अपनी गहरी अंतर्दृष्टि से श्रोताओं को संबोधित किया।

- **राष्ट्रीय संगोष्ठी और क्षमता निर्माण कार्यशाला**

  जम्मू विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन और संगठनात्मक व्यवहार विभाग ने कश्मीर विश्वविद्यालय के गांधी भवन में 11 से 14 दिसंबर, 2019 से "डिजिटल मार्केट स्पेस में निष्पक्ष व्यापार प्रथाओं" पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी और क्षमता निर्माण कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यक्रम उपभोक्ता मामलों के विभाग द्वारा प्रायोजित किया गया था।

  खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण, जीओआई संगोष्ठी और कार्यशाला में सीएपीडी, लीगल मेट्रोलॉजी, विश्वविद्यालय, कॉलेज और स्कूलों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के एचआरएम एवं ओबी विभाग के सहायक आचार्य डॉ गौहर रसूल को उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय द्वारा स्वीकृत परियोजना के तत्वावधान में आयोजित की जा रही श्रृंखला में यह दूसरा सेमिनार और कार्यशाला थी।

- **14वीं राष्ट्रीय विज्ञान कांग्रेस**

  जम्मू विश्वविद्यालय द्वारा 20 से 22 दिसंबर, 2019 तक आयोजित 14वीं विज्ञान कांग्रेस के उद्घाटन समारोह में जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अशोक ऐमा ने भाग लिया।

बैठक/सभा /सम्मेलन

- **कार्यकारी परिषद की 15वीं बैठक**

  जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय की 15वीं कार्यकारी परिषद की बैठक 10 दिसंबर, 2019 को मुख्य परिसर राया सुचानी (बगला) में हुई, जिसमें विभिन्न महत्वपूर्ण अकादमिक और प्रशासनिक निर्णय लिए गए।

- **आगंतुक सम्मेलन 2019**

  17 दिसंबर, 2019 को, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अशोक ऐमा ने नई दिल्ली के राष्ट्रपति भवन में आयोजित आगंतुक सम्मेलन 2019 में भाग लिया।

- **कुलपति मंच की बैठक**

  22 दिसंबर, 2019 को जम्मू विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो अशोक ऐमा को जम्मू-कश्मीर के विश्वविद्यालयों के कामकाज से संबंधित साझा मुद्दों पर विचार-विमर्श करने के लिए जम्मू विश्वविद्यालय में कुलपति मंच की बैठक में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया था।

- **बीजीबीयू के संचालक मंडल की बैठक**

  29 दिसंबर, 2019 को जम्मू स्थित बीजीएसबीयू के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स ऑफ स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी की 8वीं बैठक में जम्मू केन्द्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो अशोक ऐमा ने भाग लिया।

संकाय /स्टाफ

- **साक्षात्कार**

  09 दिसंबर, 2019 को जम्मू केन्द्रीय विश्वविद्यालय ने वित्त अधिकारी और परीक्षा नियंत्रक पद के लिए साक्षात्कार आयोजित किए। इसका परिणाम 11 दिसंबर, 2019 को घोषित किया गया था।

जनवरी, 2020

शैक्षिक परिसर /अनुसंधान गतिविधियां

- **पाठ्य समिति**

  27 जनवरी, 2020 को सूक्ष्म विज्ञान एंव पदार्थ विभाग ने अपना पाठ्य समिति का आयोजन किया।

दौरा

- जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अशोक ऐमा ने "नैक रजत जयंती समारोह" में भाग लिया जिसमें भारत के उपराष्ट्रपति श्री एम. वेंकैया नायडू ने 7 जनवरी 2020 को बैंगलूरू के राजभवन के ग्लास हाउस में सभा को संबोधित किया था ।
- जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अशोक ऐमा ने शनिवार, 18 जनवरी, 2020 को यूजीसी डीआरएस एसएपी -III के लिए गठित सलाहकार समिति में भाग लेने के लिए गुजरात के सरदार पटेल विश्वविद्यालय का दौरा किया और गुजरात के सरदार पटेल विश्वविद्यालय के जी एच पटेल स्नातकोत्तर व्यापार प्रबंधन संस्थान में सम्मानित अतिथि के रूप में "भारतीय ग्रामीण अर्थव्यवस्था के स्थानांतरण " विषय पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भी भाग लिया।

- जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अशोक ऐमा ने 27 से 28 जनवरी, 2020 तक यूजीसी द्वारा गठित टीम के अध्यक्ष के रूप में कॉलेज को स्वायत्त दर्जा देने के लिए भारतीय लागत एवं प्रबंधन अध्ययन एवं अनुसंधान संस्थान पुणे का दौरा किया।

संगोष्ठी/कार्यशाला/व्याख्यान

- **मूक पर एक सप्ताह की कार्यशाला**

  शिक्षा अध्ययन विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय, पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षण मिशन की योजना के तहत जिला सांबा के मुख्य परिसर राया-सुचानी में 3 से 9 जनवरी, 2020 तक "डिजाइन, विकास और वितरण" विषय पर एक सप्ताह तक कार्यशाला व्यावसायिक विकास का आयोजन किया गया। कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अशोक ऐमा और एनआईपीईए नई दिल्ली के एचओडी आईसीटी प्रो. के श्रीनिवास, पहले दिन चारों तकनीकी सत्रों के मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित थे।

- **दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी**

  जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के चेयर प्रोफेसर स्वामी विवेकानंद द्वारा 16 से 17 जनवरी, 2020 तक भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के सहयोग से "नए भारत का उद्भव:स्वामी विवेकानंद का दर्शन और शिक्षण" विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

- **योग और योग विज्ञान पर राष्ट्रीय कार्यशाला**

  23 जनवरी, 2020 को अंतर विश्वविद्यालय उन्नत केंद्र , अरुणा आसफ अली मार्ग, नई दिल्ली के महर्षि कन्नड सभागार में अंतर विश्वविद्यालय योगिक विज्ञान केंद्र, बेंगलुरु (आईयूसीवाई) की एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया है। इस अवसर पर माननीय शिक्षा मंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक मुख्य अतिथि थे। कार्यशाला में जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अशोक ऐमा ने भाग लिया । शिक्षा विभाग की सहायक आचार्य डॉ. किरण और लोकनीति एवं लोक प्रशासन विभाग की सहायक आचार्य डॉ. रूची चौधरी ने भी कार्यशाला में भाग लिया ।

- **बौद्धिक संपदा अधिकार संगोष्ठी**

  24 जनवरी, 2020 को विश्वविद्यालय नवाचार परिषद, जम्मू केन्द्रीय विश्वविद्यालय और पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ने संयुक्त रूप से अपने मुख्य परिसर राया –सुचानी(बागला), जिला सांबा, जम्मू में बौद्धिक संपदा अधिकारों का महत्व विषय पर एक दिवसीय जागरूकता संगोष्ठी का आयोजन किया । संगोष्ठी का उद्घाटन जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अशोक ऐमा, पीएचडीसीसीआई के प्रधान निदेशक डॉ. रंजीत मेहता, पीएचडीसीसीआई के जम्मू अध्यय के सभापति राकेश वजीर, पीएचडीसीसीआई(PHDCCI) की सचिव सुश्री कंचन जुत्शी और जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के विश्वविद्यालय नवाचार परिषद के अध्यक्ष डॉ. वी श्रीधरन ने किया । इस संगोष्ठी में विभिन्न विशेषज्ञों द्वारा चार तकनीकी सत्र आयोजित किए गए । इस संगोष्ठी में संकाय सदस्य, अनुसंधान शोधार्थी और छात्र समेत कुल 160 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया ।

बैठक/बैठक/सम्मेलन

- **भवन निर्माण समिति की 18वीं बैठक**

  11 जनवरी, 2020 को प्रेस क्लब जम्मू में विश्वविद्यालय भवन समिति की 18वीं बैठक हुई, जिसमें विश्वविद्यालय के परिसर के विकास के संबंध में परिसीमन किया गया। समिति ने भवन निर्माण समिति की 17वीं बैठक के कार्यवृत्तांत और पिछली बैठक में लिए गए निर्णय पर की गई कार्रवाई की भी पुष्टि की।

- **माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री के साथ बैठक**

  24 जनवरी, 2020 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अशोक ऐमा ने श्रीनगर के राज्य अतिथि ग़ृह में माननीय शिक्षा मंत्री श्री रमेश पोखरियाल 'निशंक' द्वारा बुलाई गई बैठक में भाग लिया।

- **नीति आयोग में बैठक**

  30 जनवरी, 2020 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अशोक ऐमा ने नीति आयोग, संसद मार्ग, नई दिल्ली में नीति आयोग के उपाध्यक्ष की अध्यक्षता में हिमालयी राज्यों में 13 केंद्रीय विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की बैठक में भाग लिया।

- **पाठ्यक्रम समिति**

  31 जनवरी, 2020 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के भौतिकी एवं खगोलीय विज्ञान विभाग ने अपनी 04वीं पाठ्य समिति बैठक का आयोजन किया।

विविध

- **स्वच्छता पखवाडा**

  जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय ने जिला सांबा के राया-सुचानी स्थित अपने मुख्य परिसर में 16 से 31 जनवरी, 2020 तक स्वच्छता पखवाड़ा मनाया। स्वच्छ भारत अभियान के नोडल अधिकारी डॉ. जगन्नाथ की देखरेख में एनएसएस स्वयंसेवियों ने स्वच्छता पखवाड़ा के दौरान विभिन्न गतिविधियां संचालित की।

- **परीक्षा पे चर्चा**

  20 जनवरी, 2020 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के ब्रिगेडियर राजिंदर सिंह सभागार में परिक्षा पे चर्चा 2020 पर सीधा प्रसारण किया गया। माननीय प्रधानमंत्री ने नई दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में छात्रों के साथ बातचीत की। परीक्षा पे चर्चा 2020 के सीधा प्रसारण में विश्वविद्यालय के संकाय व विद्यार्थियों के साथ केंद्रीय विद्यालय, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने भाग लिया।

- **फिट इंडिया मूवमेंट**

  24 जनवरी, 2020 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षा निदेशालय ने अपने मुख्य परिसर राया-सुचानी (बगला), जिला सांबा, जम्मू में फिट इंडिया मूवमेंट के तहत मैराथन का आयोजन किया। मैराथन में जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के केंद्रीय विद्यालय के सभी विभागों, संकाय, स्टाफ और कुछ छात्रों ने भी हिस्सा लिया।

- **गणतंत्र दिवस समारोह**

  26 जनवरी, 2020 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय ने अपने मुख्य परिसर राया-सुचानी (बगला), जिला सांबा, जम्मू में 71वां गणतंत्र दिवस मनाया। जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अशोक ऐमा ने विश्वविद्यालय के संकाय, छात्रों और कर्मचारियों की उपस्थिति में ध्वजारोहण किया।

फ़रवरी, 2020

शैक्षिक परिसर /अनुसंधान गतिविधियाँ

➢ **मौखिक परीक्षा**

- जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग ने 06 फरवरी, 2020 को पीएचडी शोधार्थी श्री शाहिद हामिद रैना का मौखिक परीक्षा का संचालन किया।
- 10 फरवरी, 2020 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अशोक ऐमा को पीएचडी की उपाधि प्रदान करने के लिए कश्मीर विश्वविद्यालय द्वारा प्रबंधन अध्ययन विभाग के पीएचडी शोधार्थी सुश्री इमान अशरफ के मौखिक परीक्षा के संचालन के लिए बाहरी परीक्षक के रूप में आमंत्रित किया गया था।

➢ **पाठ्यक्रम समिति**

- जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के सामग्री एंव सुक्ष्म विज्ञान विभाग के पाठ्यक्रम समिति की 5वीं बैठक 07 फरवरी, 2020 को हुई थी।
- जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन एवं संगठनात्मक व्यवहार विभाग के पाठ्यक्रम समिति की 8वीं बैठक 27 फरवरी, 2020 को हुई थी।

दौरा

➢ जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो अशोक ऐमा को 8 फरवरी, 2020 को आईआईएम जम्मू में आयोजित 'पहले लीडरशिप समिट' में मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था। जम्मू-कश्मीर क्षेत्र के अन्य कुलपतियों/निदेशकों के साथ ज्ञान अर्थव्यवस्था में शिक्षा जगत की उभरती भूमिका पर पैनल चर्चा भी हुई।

➢ जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अशोक ऐमा को कश्मीर विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ बिजनेस स्टडीज ने 10 फरवरी, 2020 को एक अनुसंधान शोधार्थी के पीएचडी मौखिक परीक्षा के लिए बाहरी विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया था।

संगोष्ठी/कार्यशाला/व्याख्यान

➢ **दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी**

जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के शैक्षिक अध्ययन विभाग ने पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक और शिक्षण मिशन के तत्वावधान में जिला सांबा के मुख्य परिसर राया सुचानी में 5 से 6 फरवरी, 2020 तक मूल्यांकन एवं वर्तमान मूल्यांकन रुझान एवं चुनौतियां - विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया।

➢ **विस्तृत व्याख्यान**

जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित 21वीं सदी में आर्थिक सिद्धांत और नीति के लिए चुनौतियां पर विस्तार व्याख्यान के लिए यूके के ऑक्सफोर्ड ब्रुक्स बिजनेस स्कूल के प्रतिष्ठित आचार्य प्रो. प्रीतम सिंह ने 5 फरवरी, 2020 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय का दौरा किया था।

- **अतिथि व्याख्यान**

07 फरवरी, 2020 को लोक नीति एवं लोक प्रशासन विभाग ने लोक प्रशासन सिद्धांत पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया। अतिथि व्याख्यान देने के लिए इग्नू विश्वविद्यालय नई दिल्ली से प्रो. अलका धमेजा को आमंत्रित किया गया था।

- **विस्तार व्याख्यान**

07 फरवरी, 2020 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के जनसंचार एवं नवीन मीडिया विभाग ने "फिल्म एंड मीडिया स्टडीज" विषय पर इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय नई दिल्ली के प्रो. विवेक सचदेवा को विस्तृत व्याख्यान आयोजन पर आमंत्रित किया।

- **शोध पद्धति पर कार्यशाला**

17 फरवरी, 2020 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के जनसंचार एवं न्यू मीडिया विभाग ने शोध पद्धति पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया, जिसमें हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रो प्रदीप नायर ने विभाग के छात्रों और शोधार्थियों को शोध प्रबंध कैसे लिखने के बारे में समझाया। हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जन संचार विभाग के प्रमुख प्रो. बलदेव भाई शर्मा ने भी आज के समय में शोध प्रक्रिया पर अपने विचार साझा किए।

- **राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2020**

28 फरवरी, 2020 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय ने "विज्ञान में महिला" विषय पर राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2020 मनाया गया। इस अवसर पर जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ बेसिक एंड एप्लाइड साइंसेज के अधिष्ठाता प्रो. देवानंद को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया, जबकि भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के उप महानिदेशक डॉ. दिनेश वी गणवीर को सम्मानित अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया। कार्यक्रम के दौरान जे एंड के फोरेंसिक विभाग की निदेशक डॉ शुब्रा शर्मा ने व्याख्यान दिया।

मिलन/बैठक/सम्मेलन

- **क्षेत्रीय परामर्शदात्री बैठक**

28 फरवरी, 2020 को, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय, पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण मिशन के तत्वावधान में जम्मू और कश्मीर संघ प्रदेश में एनसीटीई विनियमों की व्यावहारिक्ता पर एक दिवसीय क्षेत्रीय परामर्शी बैठक का आयोजन किया। बैठक के उद्घाटन सत्र में जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अशोक ऐमा और एआईपीईए (AIPEA) नई दिल्ली के सलाहकार प्रो. के रामचंद्रन ने बैठक के चारों सत्रों के मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित थे। बैठक में विभिन्न कॉलेजों व विश्वविद्यालयों के विभागाध्यक्षों व डीन सहित विभिन्न उच्च स्तरीय शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम के विभिन्न प्रतिष्ठित प्रतिनिधियों ने भाग लिया, जिसमें प्रो. जीएम मलिक, प्रो. राजीव रतन, प्रो. इकबाल मट्टो, डॉ. जुबीर कलेश, डॉ. राज सिंह, डॉ. बशीर अहमद भट, प्रो. रेणु नंदा, प्रो. मुबारक सिंह, प्रो. यामीन कावूस, डॉ. सैयद जहूर गिलानी व डॉ. नसरीन कुसर शामिल थे। , जिन्होंने जेएंडके संघ प्रदेश में एनसीटीई मानदंडों और नियमन के निहितार्थों से संबंधित अपने दृष्टिकोण और विचारों को साझा किया।

- **एक्तार 2020**

25 फरवरी, 2020 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के एचआरएम और ओबी स्कूल ऑफ बिजनेस स्टडीज विभाग द्वारा द्वितीय वार्षिक उद्यमीय उत्सव 2020 का आयोजन किया गया था। इसमें फूड स्टॉल्स, गेम जोन और टैलेंट शो का आयोजन किया गया, जिसमें स्टूडेंट्स

को स्मार्ट इनवेस्ट करने के लिए सीखने का मौका दिया गया। इस कार्यक्रम में छात्रों ने बाजार परिदृश्य की वास्तविक व्यावहारिक्ता का अनुकरण किया और उद्यमशीलता कौशल से परिचित करवाने में मदद की। यह उत्सव छात्रों के बीच उद्यमशीलता विचार प्रक्रिया की भावना को पोषित करने का प्रयास था।

विविध

➢ **समझौता**

5 फरवरी, 2020 को, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय ने भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा परिकल्पित "राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम" के लिए विश्वविद्यालय में इंस्ट्रूमेंटेशन सुविधाएं बनाने के लिए जम्मू और कश्मीर राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय की सहायक आचार्य डॉ. श्वेता यादव इस कार्यक्रम की नोडल संकाय हैं। इस कार्यक्रम के लिए 218.76 रुपये (लाखों में) की राशि स्वीकृत की गई है और इस परियोजना के तहत अनुसंधान करने के लिए विश्वविद्यालय को पहली किस्त के रूप में 1 करोड़ रुपये प्राप्त हुए हैं।

➢ **चर्चा सत्र**

- जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन और संगठनात्मक व्यवहार विभाग ने एक चर्चा सत्र आयोजित किया, जिसका संचालन प्रो. नवल किशोर ने 26 फरवरी 2020 को 'उभरती अर्थव्यवस्थाओं में विपणन प्रथाओं' पर किया।
- जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन और संगठनात्मक व्यवहार विभाग ने 27 फरवरी 2020 को 'व्यापार संगठन में नवाचार की संस्कृति को बढ़ावा देने में नेतृत्व की भूमिका' पर प्रो. एम. आई. हक द्वारा एक वार्तालाप सत्र आयोजित किया गया।

विभाग की गतिविधियाँ और उपलब्धियां

पर्यावरण विज्ञान विभाग

1. विभाग के संबंध में

2012 में स्थापित पर्यावरण विज्ञान विभाग (इवीएस) में वार्षिक प्रविष्ट क्षमता 30 के साथ पर्यावरण विज्ञान में एम.एसी प्रस्तावित कर रहा है। 4 सत्रों में छात्रों को पहले से ही प्रवेश दिया गया है एवं पहले दो सत्रों के छात्र उपाधि प्राप्त कर चुके हैं। विभाग, पर्यावरण विज्ञान में स्तरीय शिक्षा प्रदान करने पर केंद्रित है, जो की विकास -स्थिरात संघर्ष में वृद्धि को देखते हुए अतंयत महत्वपूर्ण हो गया है, यह पृथ्वी पर विस्तृत रूप से पौधों, जानवरों एवं मानव जीवन पर प्रभाव डालता है। विभाग अपने अनुशासन में की गई प्रगति, अनुसंधान और विकास के उभरते क्षेत्रों और पर्यावरणीय समस्याओं को समझने और सुधारने के लिए नवीन प्रौद्योगिकियों के साथ तालमेल रखने के लिए पाठ्यक्रम में निरंतर समीक्षा, संशोधन और अद्यतन कर नौकरी बाजार और शोध नवाचारों में वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए अपने छात्रों को तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध है। वर्तमान पाठ्यक्रम यूजीसी द्वारा अनुशंसित चॉइस आधारित क्रेडिट प्रणाली के अनुरूप है जिसमें छात्रों को प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, पर्यावरण भूगर्भ विज्ञान और ठोस अपशिष्ट प्रबंध में विशेषज्ञता रखने का विकल्प प्रदान करता है। शिक्षणशास्त्र पारंपरिक शिक्षण कक्षाओं के स्थान पर शिक्षार्थी उन्मुख है। विभाग छात्रों को प्रयोगशाला एवं क्षेत्र में व्यावहारिक प्रशिक्षण पर जोर देता है।

2. उपलब्धियां

सत्र 2019-20 के दौरान विभाग को डीएसटी और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से लगभग 3.0 करोड़ के दो शोध अनुदान प्राप्त किये।

3. कार्यक्रमों का आयोजन

क. पृथ्वी-दिवस महोत्सव 2019

पर्यावरण विज्ञान विभाग अंतर्राष्ट्रीय पृथ्वी दिवस (22 अप्रैल, 2019) मनाया।

ख. ऊर्जा, पर्यावरण एवं सतत विकास पर राष्ट्रीय संगोष्ठी

31 जुलाई, 2019 को पर्यावरण विज्ञान विभाग ने ऊर्जा, पर्यावरण और सतत विकास पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया

ग. "आइस न्यूक्लियेशन में एरोसोल की भूमिका: एक जलवायु परिप्रेक्ष्य" विषय पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला।

25 नवंबर, 2019 को पर्यावरण विज्ञान विभाग ने "आइस न्यूक्लियोन में एक एरोसोल की भूमिका: एक जलवायु परिप्रेक्ष्य" पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया।

घ. डॉ. अजय शर्मा द्वारा विशेषज्ञ व्याख्यान

फ्लोरिडा विश्वविद्यालय के डॉ. अजय शर्मा ने 01 अप्रैल, 2019 को वन परिदृश्य को आकार देने में जंगल की आग के महत्व पर विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।

ङ. विभाग द्वारा आयोजित जागरूकता कार्यक्रम

15 अप्रैल, 2020: (II सेमेस्टर) के छात्र-छात्राओं ने सिहाड़ बाबा झरने से प्लास्टिक की थैली, बोतल और अन्य कचरे को इकट्ठा करने के लिए स्वच्छता अभियान में भाग लिया।

4. क्षेत्र यात्रा / औद्योगिक यात्रा / शैक्षिक यात्रा

क. मई 2019:- प्रो. शकील अहमद रूमशु, कश्मीर विश्वविद्यालय, जम्मू एवं कश्मीर

ख. प्रो. पीयूष मालवीय, जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू एवं कश्मीर

ग. प्रो. कौल, जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू-कश्मीर

घ. प्रो. राज कुमार रामपाल, जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू एवं कश्मीर

ङ. जुलाई 2019:- प्रो. पीयूष मालवीय, जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू एवं कश्मीर

च. डॉ. विनीत वी. त्यागी, एस.एम.वी.डी.यू, कटरा, जम्मू एवं कश्मीर

छ. डॉ. आदर्श कुमार पांडेय, सनवे विश्वविद्यालय, मलेशिया

ज. प्रो. राज कुमार रामपाल, जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू एवं कश्मीर

झ. अगस्त 2019:- डॉ. बलबीर सिंह कैथ, एनआईटी जलांधर (पंजाब)

ञ. अक्टूबर 2019:- प्रो. राज कुमार रामपाल, जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू एवं कश्मीर

ट. दिसंबर 2019:- डॉ. विनीत वी त्यागी, एस.एम.वी.डी.यू, कटरा, जम्मू एवं कश्मीर

ठ. मार्च 2020:- प्रो.राज कुमार रामपाल, जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू एवं कश्मीर

ड. प्रो. एस.के. मेहता, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ ऊर्जा के स्कूल के लिए एक दिन का व्यावहारिक भ्रमण

ढ. प्रो. एस.के. मेहता, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ स्कूल ऑफ एनर्जी मैनेजमेंट, एसएमवीडीयू, कटरा के लिए एक दिवसीय व्यावहारिक भ्रमण।

5. समझौता ज्ञापन

श्री प्रकाश जावड़ेकर (पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री) तथा श्री बाबुल सुप्रियो (पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री) की उपस्थिति में एनसीएपी के तहत नोडल संकाय के रूप में डॉ. श्वेता यादव ने विश्व पर्यावरण दिवस, 2019 पर एमओ इएफसीसी, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय और जेकेपीसीबी के मध्य समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

6. अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन / संकाय द्वारा प्रतिभागिता

डॉ. श्वेता यादव: जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के शैक्षिक अध्ययन विभाग द्वारा(MOOCS) मुक्स ऑनलाइन पाठ्यक्रम पर सात दिनों की (3 से 9 जनवरी 2020) तक आयोजित पेशेवर विकास डिजाइन, विकास तथा बड़े पैमाने पर वितरित कार्यशाला में भाग लिया।

7. सकांय उपलब्धियां

डॉ. पंकज मैहता

- **अप्रैल 08, 2019**

  अभिनव उपलब्धियों वाले संस्थानों की अटल रैंकिंग (ARIIA) 2019 में जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय को उसके प्रयास और भागीदारी के लिए सराहा गया है तथा डॉ. पंकज मेहता की अध्यक्षता में ARIIA के ऑनलाइन पोर्टल पर जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय जम्मू को एक सुधार कार्ड जारी किया गया है।

- **मई 14, 2019**

  IPR शीर्षक के रूप में "पर्यावरण के अनुकूल डिटॉक्स क्ले पॉट (ई-डीसीपी)" डॉ. पंकज मेहता और सुश्री अंजली बाला को कॉपीराइट पंजीकरण संख्या L-82402/2019 के साथ प्रदान किया गया।

- **जून 30, 2019**

  डॉ. पंकज मेहता और सुश्री अंजली बाला ने एक पुस्तक लिखी है जिसका शीर्षक है जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के मेडिसिनल एंड एरोमेटिक प्लांट दिवेरिटी ऑफ़ सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ़ जम्मू: अ हैंडबुक कॉपीराइट कार्य L68453 / 2017 के लिए विश्वविद्यालय के पहले प्रकाशन के रूप में।

डॉ. श्वेता यादव

- राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क (जून 2019-वर्तमान तक) में जम्मू और कश्मीर के लिए राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम का चलाने के लिए नोडल संकाय हैं।
- जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय, जम्मू के लिए फुलब्राइट कैंपस प्रतिनिधि जिसे यूनाइटेड स्टेट्स इंडिया एजुकेशनल फाउंडेशन (USIEF), इंडिया (2019-आज तक) द्वारा मान्यता प्राप्त है।
- यूरोपियन एरोसोल्स सम्मेलन(25 - 30 अगस्त,2019) में गोथेनबर्ग, स्वीडन में एसइआरवी अंतर्राष्ट्रीय यात्रा सहायता (आईटीएस) से पुरस्कृत।
- इंडो-यूके सहभागिता के तहत डॉ. श्वेतायादव ने, ओसियन लैब के डॉ. ब्रूस मोफेट, वेल्स, यूके द्वारा ब्यास, सतलुज और चिनाब नदियों में बर्फ के न्यूक्लियर कणों की विशेषता के लिए पहला हिमालय नदी अभियान संचालित करने में सहभागिता की।
- सेंटर फॉर इनक्यूबेशन, इनोवेशन, रिसर्च एंड कंसल्टेंसी, बेंगलुरु, कर्नाटक में "हिमालय क्षेत्र में एरोसोल के लक्षण" शीर्षक पर 19 दिसंबर, 2019 को आयोजित वार्ता में आमंत्रित किया गया।
- आई एस. सी. ए , जम्मू चैप्टर 10 दिसंबर, 2019 के सहयोग से जी.डी.सी. सांबा द्वारा आयोजित रूरल एन्वायरमेंट में साइंस एंड टेक्नोलॉजी पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में "जलवायु परिवर्तन में ग्रामीण पर्यावरण का योगदान" शीर्षक पर आमंत्रित सदस्य के रूप में चर्चा की।

8. सेमिनार, कार्यशालाओं और सम्मेलनों में प्रतिभागिता

संकाय का नाम	कार्यशाला /सम्मेलनों का नाम
प्रो. दिपक पठानिया	• 16-17 दिसंबर, 2019 को मलेशिया के मुल्ज़फ़्फ़र होटल, लेलका में यूनिवर्सिटी ऑफ़ मलाया द्वारा एक अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक मंच (ISF2019) का आयोजन किया गया। • पर्यावरण और आपदा प्रबंधन और जोखिम में कमी। • आई एफ एस अधिकारियों का प्रशिक्षण कार्यक्रम, एस.एम.डी.यू , (2019)।
प्रो. सुनील धर	• पर्यावरण और आपदा प्रबंधन और जोखिम में कमी। • आई एफ एस अधिकारियों का प्रशिक्षण कार्यक्रम, एस यू.डी.एम., (2019)।

	• हिमालयी प्रसंग में आपदाएं और उनका प्रबंधन। • आपदा प्रबंधन पर पुनराभ्यास पाठ्यक्रम, जम्मू विश्वविद्यालय, (2019)। • चंद्र बेसिन में ग्लेशियर का उतारचढ़ाव हिमाचल प्रदेश-, हिम विज्ञान कांग्रेस, एन आई टी (2019) में
डॉ. ऋचा कोठारी	• 28 और 29 नवंबर, 2019 को स्कूल ऑफ एनर्जी मैनेजमेंट एंड स्कूल ऑफ मैकेनिकल इंजीनियरिंग श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय, काक्याल कटरा द्वारा "थर्मोइलेक्ट्रिक ऊर्जा रूपांतरण उपकरणों और उसके अनुप्रयोगों के विकास और संभावनाएं" विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की गई।
डॉ . अनीता सिंह	• 20-21 सितंबर, 2019 को जीजेयूएस एवं टी, हिसार में "पर्यावरण विज्ञान और इंजीनियरिंग के क्षेत्र में हालिया रुझान"(RTIFESE- 2019) विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया। • ऊर्जा, पर्यावरण, कृषि और स्वास्थ्य के सतत विकास में माइक्रोबियल टेक्नोलॉजीज विषय पर हरियाणा के केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ में आयोजित एएमआई और अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी (15-18 नवंबर, 2019) के 60 वार्षिक सम्मेलन में भाग लिया।
डॉ. पंकज मेहता	• पर्यावरण विज्ञान एम एच आर डी (भारत सरकार) की शब्दावली1 • पर्यावरण प्रदूषण और आपदा जोखिम न्यूनीकरण में वर्तमान स्थिति 6-7 फरवरी, 2020, नई दिल्ली।
डॉ. श्वेता यादव	• डॉ. श्वेता यादव ने यूरोपीय एयरोसोल सम्मेलन (ईएसी) (25 अगस्त - 30, 2019) में गोथेनबर्ग, स्वीडन में हिमालय क्षेत्र में "आइस न्यूक्लियर पार्टिकल्स और बायोएरोसोल विविधता" विषय सहभागिता कर प्रस्तुति दी। • डॉ. श्वेता यादव ने राष्ट्रीय स्वच्छ नेटवर्क कार्यक्रम (NCAP) की जम्मू एवं कश्मीर की प्रगति रिपोर्ट इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश में 14 से 15 अक्टूबर, 2019 को आयोजित राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क की बैठक में प्रस्तुत की एवं इस बैठक में भाग लिया।

9. प्रकाशन

- अनीता सिंह, स्टेसी आर बेडोरी, निलेश के शर्मा, सारा ए ली, मार्क ए ईटमैन और एलेन एल निडले ""Removal of aromatic inhibitors produced from lignocellulosic hydrolysates by Acinetobacter baylyi ADP1 with formation of ethanol by Kluyveromyces marxianus." Biotechnology for biofuels 12, सं 1 (2019): 91. (IF 5.4)
- अनीता सिंह, और सोमवीर बाजर r. "Optimization of cellulolytic enzyme production by thermophilic fungus Thermoascus aurantiacus using response surface methodology" IJBB) 56, सं 5 (2019): 399-403 (IF0.3)

- एस. यादव, एस. बामोत्रा और ए. टंडन ने "Aerosol-associated non-polar organic compounds (NPOCs) at Jammu, India, in the North-Western Himalayan Region: seasonal variations in sources and processes" Environ. Sci. Pollut. Res (2020). https://doi.org/10.1007/s11356-020- 08374-3 (IF 3.208)
- एस यादव ., एन गेट्टू., बीस्वैन., केकुमारी., एनओझा., एस एस गुंथे - ""Aerosol-associated non-polar organic compounds (NPOCs) at Jammu, India, in the North-Western Himalayan Region: seasonal variations in sources and processes". Environ. Sci. Pollut. Res (2020) https://doi.org/10.1007/s11356-020-08059-x (IF 3.208)
- एस यादव., आरईवेनेजिया ., आर डब्ल्यूपैरल ., एमडी पीटर्स. " "Characterization of Ice-Nucleating Particles Over Northern India". J. Geophys. Res. Atmos. 124, (2019): 1046710482, (2019): 10467-10482 https://doi.org/10.1029/2019JD030702 (IF 3.63)
- सुनील धर, अरुण कुमार और शशि कांत ने ""Spatio-temporal disposition of Chandra basin Glaciers from 1980 to 2011, Lahaul and Spiti Himalayan Region, Himachal Pradesh, India". International Journal on Emerging Technologies 11, no. 2 (2020): 1005-1012
- पंकज मेहता, सुनील धर और दीपक पठानिया ""Evaluation of hydrogeochemical processes and chemometrics of the groundwater in Vijaypur block of Samba district J&K, India". अंतर्राष्ट्रीय उच्चतर एंड अनुसंधान का शैक्षिक पत्रिका9, नंबर 1 (2019): 152-172
- ए.के पाठक, आर.कोठारी, वी.वी त्यागी और एस.आनंद, " "Integrated approach for textile industry wastewater for efficient hydrogen production and treatment through solar PV electrolysis". International Journal of Hydrogen Energy. (2020) (इफ 4.084)
- आर आजम, आर .कोठारी , एच.एम.सिंह, एस.अहमद, वी.ए.कुमार और वी.वी त्यागी. "Production of algal biomass for its biochemical profile using slaughterhouse wastewater for treatment under axenic conditions". Bioresource Technology, 306 (2020). बायोरसोर्स टेक्नोलॉजी, 306 (2020): 123116 (यदि 5.807)
- ए .पाठक,एम.विनोबा और आर. कोठारी "Emerging role of organic acids in leaching of valuable metals from refinery-spent hydroprocessing catalysts, and potential techno-economic challenges: A review". Critical Reviews in Environmental Science and Technology, (2020)" पर्यावरण विज्ञान और प्रौद्योगिकी में महत्वपूर्ण समीक्षा, (2020): 1-43 https://doi.org/10.1080/10643389.2019.1709399 (IF 5.980)
- यू .मकबूल, ए.त्यागी, वी.वी.त्यागी और आर कोठारी "Optimization of the renewable-energy-based micro-grid for rural electrification in northern region of India" स्वच्छ प्रौद्योगिकी और पर्यावरण नीति 22 (2020): 579-590 (यदि 2.421)
- एस .अहमद, आर.कोठारी, आर.शंकरनयन और वी.वी.त्यागी " Temperature dependent morphological changes on algal growth and cell surface with dairy industry wastewater: an experimental investigation" 3 बायोटेक 10, नंबर 1 (2020): 24. (IF 2.27)
- एस .अहमद, पी के.मजी, आर. कोठारी और आर.पी. सिंह " "Industrial wastewater footprinting: a need for 41 CENTRAL UNIVERSITY OF JAMMU ANNUAL REPORT 2019-20 water security in Indian context" में पर्यावरण चिंताओं और सतत विकास (2020), पीपी 197-212 स्प्रिंग, सिंगापुर

- एस.बी.कृष्णा, ए.दुबे, एम.ए मल्ल,आर.कोठारी, सीपी.उपाध्याय, जेके.एडम और ए.कुमार "Integrating Microbiome Network: Establishing Linkages Between Plants, Microbes and Human Health" द ओपन माइक्रोबायोलॉजी जर्नल 13, नंबर 1 (2019): 330-342 (IF 0.505 है)।
- एम. बकीर, एस के. भारती ,आर कोठारी और आर पी सिंह "Assessment of an energy-efficient metal chulha for solid biomass fuel and evaluation of its performance" पर्यावरण विज्ञान और प्रौद्योगिकी के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल 16, नंबर 11 (2019): 6773-6784 (IF 2.396)
- एस.अहमद, आर कोठारी, वी वी पाठक और एमके पांडे "Fuel quality index: a novel experimental evaluation tool for biodiesel prepared from waste cooking oil" अपशिष्ट और बायोमास वैलोराइजेशन 10, सं 8 (2019): 2237-2247 (IF 2.227)
- एस अहमद, आर कोठारी,डी.पठानिया और वी वी त्यागी " Optimization of nutrients from wastewater using RSMfor augmentation of Chlorella pyrenoidosa with enhanced lipid productivity, FAME content, and its quality assessment using fuel quality index" बायोमास रूपांतरण और बायोरफाइनरी 10 (2019): 495-512 (IF 2.150)
- एम बकीर, आर कोठारी और आरपी सिंह "Characterization and ranking of subtropical trees in a rural plantation forest of Uttar Pradesh, India, as fuel wood using fuel wood value index (FVI)" पर्यावरण, विकास और स्थिरता 21, नंबर 2 (2019): 763-776 (IF १.९ ३०)
- एचएम सिंह, आर कोठारी, आर गुप्ता और वी.वी त्यागी. "Bio-fixation of flue gas from thermal power plants with algal biomass: Overview and research perspectives".पर्यावरण प्रबंधन के जर्नल 245 (2019): 519-539 (IF 5.250 है)
- ए पांडे, वीवी पाठक, आर कोठारी, पीएन ब्लैक और वीवी त्यागी "Experimental studies on zeta potential of flocculants for harvesting of algae". पर्यावरण प्रबंधन 231 (2019) जर्नल : 562-569 (IF 5.250 है)
- ए. बाला, यू. के.सिंह, पी मेहता, एस धर और डी पठानिया सांबा जिले के विजयपुर ब्लॉक, जेएंडके, भारत में जलविद्युत प्रक्रियाओं और भूजल के केमोटेटिक्स का मूल्यांकन इंटरनेशनल जर्नल ऑफ हायर एजुकेशन एंड रिसर्च, 2019
- पीके सिंह, एसके वर्मा, वीके सिंह, जेए मोरेनो, ईपी ओलिवेरा, पी मेहता, Geochemistry and petrogenesis of sanukitoids and high-K anatectic granites from the Bundelkhand Craton, India: Implications for late Archean crustal evolution. Journal of Asian Earth Sciences, 2019, (IF = 3.5)

10. अनुसंधान परियोजनाओं का विवरण :

परियोजना का शीर्षक और अवधि	*पीआई*	*स्वीकृत राशि (लाख)*	*निधीयन एजेंसी*
Glacio-hydrometeorology and paleo-history of Brahma Group of Glaciers, Chenab basin, Jammu and Kashmir	प्रो. सुनील धर	*65*	*डीएसटी*

Selective removal of inhibitors f o u n d i n l i g n o c e l l u l o s i c hydrolysates and simultaneous conversion of mixed sugars into bio-ethanol using microbial consortium (03 Years)	डॉ.अनीता सिंह	27.5	डीएसटी एसईआरबी
Source apportionment of aerosols and carrying capacity in NAC of Jammu/Srinagar	डॉ.श्वेता यादव	218.76	जेकेपीसीबी

रसायन विज्ञान एवं रासायनिक शास्त्र विभाग

1. विभाग के संबंध में

जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में रसायन शास्त्र एवं रसायनिक विज्ञान विभाग की स्थापना वर्ष 2016 में रसायन विज्ञान कार्यक्रम (वर्तमान प्रविष्टी संख्या 35 छात्र) में पांच साल के एकीकृत स्नातकोतर की शुरुआत के साथ की गई। यूजीसी ने विकल्प आधारित क्रेडिट सिस्टम (सीबीसीएस) को विभाग की स्थापना से लागू करने की सिफारिश की। विभाग ने 2018-19 शैक्षणिक सत्र से रसायन विज्ञान में पीएचडी कार्यक्रम प्रारंभ किया है। वर्तमान संकाय सदस्य उच्च योग्यता प्राप्त और रसायन विज्ञान के विभिन्न विशिष्ट क्षेत्रों जैसे कि ऑर्गेनिक सिनेसिस, ग्रीन केमिस्ट्री, कैटलिसिस, कोऑर्डिनेशन केमिस्ट्री, बायोइनऑर्गेनिक केमिस्ट्री, ऑर्टिकल और कम्प्यूटेशनल केमिस्ट्री में अनुभवी हैं। वर्तमान में, छह बाह्य वित्त पोषित अनुसंधान परियोजनाएं हैं, जिनकी कुल लागत लगभग दो करोड़ रुपये है, जो उच्च गुणवत्ता वाले अनुसंधान है। विभाग में आधुनिक प्रयोगात्मक सुविधाओं के साथ उपयुक्त छात्र शिक्षक अनुपात और अत्याधुनिक प्रयोगशालाएँ हैं।

रसायन शास्त्र एवं रसायनिक विज्ञान विभाग उच्च गुणवत्ता वाली छात्र-शिक्षा और अनुसंधान के लिए अपनी प्रतिबद्धता के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त करने के लिए प्रयासरत है। विभाग का उद्देश्य स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर पर रासायनिक विज्ञान में उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करना है, जिससे रसायन विज्ञान और संबंधित क्षेत्रों में करियर के लिए स्नातक तैयार किये जा सकें। छात्रों से रसायन विज्ञान की व्यापक समझ और मौखिक तथा लिखित आलोचनात्मक और प्रभावी संवाद की आशा की जाती है । विभाग संकाय-आधारित अनुसंधान और छात्र-केंद्रित अध्ययन के लिए एक रचनात्मक और सहयोगात्मक वातावरण प्रदान करता है।

2. उपलब्धियां

विश्वविद्यालय के अन्य विज्ञान विभागों के सहयोग से विभाग ने 28 फरवरी, 2020 को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस (NSD) का आयोजन किया।

3. छात्रों द्वारा कार्यशालाएं / संगोष्ठी आलेख प्रस्तुति

संकाय की संख्या	अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर
प्रस्तुत आलेख	1. प्रस्तुति (मौखिक): डॉ. सुजाता कुंदन * शीर्षक : वैश्विक चुनौतियों पर सतत विकास के लिए हरित ऊर्जा; पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, मानवतावाद की नवीनता और स्थिरता :"UNDVELING THE MIND'S EYE" - भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था)ISCA), जम्मू के सहयोग से सरकारी डिग्री कॉलेज, उधमपुर द्वारा आयोजित। 31 अक्टूबर, 2 नवंबर, 2019 2. प्रस्तुति और पुरस्कार (मौखिक) : डॉ. स्वाति शर्मा * शीर्षक" : "Synthesis and characterization of coordination polymers of europium" ; रसायन और जैवरसायन अभियांत्रिकी पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 6-7 जनवरी, 2020 को।

मुख्य वक्ता	1. आमंत्रित वार्ता :डॉ.वी . श्रीधरण शीर्षक: न्यूकीलियोपलेडीशन अलकाइनस की – कास्केड प्रतिक्रियाओं के साथ पहल : सिंथेटिक क्षमता और यंत्रवत पहलू हेतु खोज, मानव विकास के लिए रसायन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (ICCHD-2020), कलकत्ता विश्वविद्यालय में 9 -11 जनवरी 2020 को। 2. डॉ. तपता कंचन रॉय प्रस्तुत पत्र (पोस्टर) शीर्षक: माइक्रोसॉल्व्ड- बायोमोलेक्यूलस के विशिष्ट एनहार्मोनिक वाइब्रेशनल स्पेक्ट्रोस्कोपी : हाइब्रिड पोटेंशियल एनर्जी सर्फेस अप्रोच पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, मोलेक्यूलस और क्लस्टर्स के डायनेमिक और स्पेक्ट्रोस्कोपी पर, एस.डी.एम.सी -2020 , 20-23फरवरी 2020 , आई आई टी - -जोधपुर और बिट्स पिलानी उदयपुर, राजस्थान द्वारा आयोजित किए गए।

- जनवरी 2019: विभाग ने 'ड्रग डिज़ाइन एंड डिस्कवरी' पर पहली ' केमफोरम ' व्याख्यान श्रृंखला को दिनांक 25 जनवरी 2019 आयोजित किया।
- मार्च 2019: विभाग ने रासायनिक विज्ञान(ETCS-2019) में उभरते रुझान पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन 14 मार्च 2019 के दौरान आयोजित किया।

4. स्थानीय भ्रमण/ औद्योगिक यात्रा / शैक्षिक यात्रा का विवरण

फरवरी2020 को राजस्थान के लिए शैक्षिक यात्रा।

5. संकाय सदस्यों द्वारा अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन उपस्थिती/

संकाय का नाम	पाठ्यक्रम कार्यक्रम का प्रकार /	अवधि	आयोजक का नाम
डॉ. प्रिंसी गुप्ता	उद्यमिता विकास पर पुनश्चर्या पाठ्यक्रम	ग्रेड ए सहित 20 मई, 2019 से 10जून 2019	संकाय प्रेरण विकास सेल
डॉ. तपता कंचन रॉय	उद्यमिता विकास पर पुनश्चर्या पाठ्यक्रम	ग्रेड ए सहित 20 मई, 2019 से 10जून 2019	संकाय प्रेरण विकास सेल
डॉ. सुजाता कुंदन	उद्यमिता विकास पर पुनश्चर्या पाठ्यक्रम	ग्रेड ए सहित 20 मई, 2019 से 10जून 2019	संकाय प्रेरण विकास सेल
डॉ. सुजाता कुंदन	एक सप्ताह की कार्यशाला / प्रशिक्षण "व्यावसायिक विकास कार्य पर: डिजाइन, विकास और वितरण ऑनलाइन पर" कंप्यूटर विज्ञान और	3 जनवरी -9 जनवरी, 2020	

	आईटी विभाग द्वारा आयोजित सी-डैक, मोहाली , जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय, जम्मू में आयोजित किया गया।		

6. संकाय प्रकाशन

1. "Palladium-catalyzed regioselective *syn*-chloropalladation-olefin insertion-oxidative chlorination cascade: Synthesis of dichlorinated tetrahydroquinolines". **पी.विनोद , एम.करूप्पस्वामी , बी.एस.बचन, आई.मुथुकृष्ण, सी.यू. महेश्वरी, एस.नागराजन, भी.पेस, ए. रोलेर, एन.भुवनेश, भी.श्रीधरण** * *Org. Lett.* **2019**, *21*, 3465–3469(Impact Factor: 6.492).
2. "Diastereoselective ABB′ three-component synthesis of highly functionalized spirooxindoles bearing five consecutive asymmetric carbons"
   टी. विवेकानंद, बी.एस.बचन, एम.करूप्पस्वामी , आई.मुथुकृष्ण, सी.यू.महेश्वरी, एस.नागराजन, एन. भुवनेश, भी श्रीधरण **J. Org. Chem*. **2019**, *84*, 4009–4016 (Impact Factor: 4.805).
3. "Progress in the chemistry of tetrahydroquinolines" **आई.मुथुकृष्ण, भी.श्रीधरण,* जे.सी.मेनेडेज** * *Chem. Rev.***2019**, *119*, 5057–5191 (Impact Factor: 52.613).
4. "Construction of substituted imidazoles from aryl methyl ketones and benzylamines via N-heterocyclic carbene-catalysis" **ए.अलकन्नदा, ई.शंकरी देवी, टी.पृथ्वी, एस.नागराज, भी.श्रीधरण , सी.यू.महेश्वरी** *Catal. Commun.* **2019**, *125*, 26–31(Impact Factor: 3.463).
5. "Synthesis, characterization and biomedical applications of an alkylated quercetin-gadolinium complex". **एस.कवीरासी, के.एस.शालनी देवी, पी.विनोद ,भी.श्रीधरण, ए. युब, ए.हरद, यु.एम.कृष्ण** *ACS Biomater. Sci. Eng.* **2019**,*5*, 1215–1227 (Impact Factor: 4.432).
6. "DBU-Mediated synthesis of aryl acetylenes or 1-bromoethynylarenes from aldehydes" **यु.थुम्माल, जी.भी.करूनकर, भी. आर. डोडी** *Adv. Synth. Catal.* **2019***, In Press* (Impact Factor: 5.123)
7. "A series of newly synthesized axially ligated macrocyclic complexes of Zn(II)porphyrin-Spectroscopic, computational and antibiological characterization" **एस.कुंदन, जी.डी.बज्जु, डी.गुप्ता, टी.के.राय** *Russian J. Inorg. Chem*. **2019**, *In Press* **2018**
8. "Three-component synthesis of a library of *m*-terphenyl derivatives with embedded β-aminoester moieties". **डी.रूची, जे.एफ.गोंजलेज, जे. गोमेज -** Carpintero, V. González-Ruiz, **एम.ए. मर्टीन, भी.श्रीधरण**, and J. C. Menéndez *ACS Comb. Sci.***2018**, *20* 722–731 (Impact Factor: 3.500)
9. "Enzymatic synthesis and self-assembly of glycolipids: Robust self-healing and wound closure performance of assembled soft materials" **यू.एस.प्रसाद, बी. सरिता, ए.तमिजनाब, के.ललित, एस.कबिलन, सी. यु.महेश्वरी, भी.श्रीधरण, एस. नागराजन** *RSC Adv.***2018**, *8*, 37136–37145 (Impact Factor: 2.936)

10. "Metal-free, base catalyzed oxidative amination and denitration reaction: Regioselective synthesis of 3-arylimidazo [1,2-*a*]pyridines". **ई.शंकरी देवी**, **एस.नागराजन**, **भी.श्रीधरण**, **सी.उमा महेश्वरी** *Tetrahedron Lett*. **2018**, *59*, 3485–3489 (Impact Factor: 2.125)
11. "Lipase catalysed synthesis of furan based oligoesters and their self-assembly assisted polymerization". **के. मुथुस्वामी**, **के. ललिता**, **यु. एस.प्रसाद**, **ए.तमिजनाब**, **भी.श्रीधरण**, **सी. उमा. महेश्वरी**, **एस.नागराजन** *ChemSusChem***2018**, *11*, 2453–2463 (Impact Factor: 7.411)
12. "Supramolecular gel formation based on glycolipids derived from renewable resources." **के.ललित**, **के.गायत्री**, **यु. एस.प्रसाद**, **आर.सरिता**, **ए. तमिजनाब**, **सी. यु.महेश्वरी**, **भी.श्रीधरण**, **एस. नागराजन** *Gels***2018**, *4*, 1.
13. "Sustainable approaches for steroid synthesis." **पी.गुप्ता**, **ए.महाजन** *Environ. Chem. Lett*. **2018**, DOI:10.1007/s10311-018-00845-x (Impact Factor: 3.125).
14. "Catalyst-controlled structural divergence: Selective intramolecular 7-*endo-dig* and 6-*exo-dig* post-Ugi cyclization for the Synthesis of benzoxazepinones and benzoxazinones". ***के.सिंह***, ***बी. के.मलवीय***, ***टी. के. राय***, ***भी. एस. मिथु***, ***भी. के. भरद्वाज***, ***भी. पी.वर्मा***, ***एस. एस.चिमनी***, ***एस. शर्मा*** *J. Org. Chem.***2018**, 83, 1, 57-68(Impact Factor: 4.849)
15. "Synthesis of spirooxindoles through cyclocondensation of isatin and cyclic 1,3 diones." **आर. जोशी**, **ए. कुमावत**, **एस.सिंह**, **टी. के. रॉय**, **आर . टी . प्रदर्शनी** *J. Heterocycl. Chem*. **2018**, *55*, 1783-1790 (Impact factor: 0.787)
16. "Hypochlorite-mediated modulation of photoinduced electron transfer in a phenothiazine-boron dipyrromethene electron donor-acceptor dyad: A highly water soluble "turn-on" fluorescent probe for hypochlorite". **डी. सोनी , एन . दुववा**, **डी .बदगुर्जर**, **टी. के . रॉय**, **एस.निमेश**, **जी आर्य**, **एल.गिरीबाबु**, **आर. चित्ता** *Chem. Asian J.***2018**, *13*, 1594-1608 (Impact factor: 4.083)
17. "Phosphine-free bis(pyrrolyl)pyridine based NNN-pincer palladium(II) complexes as efficient catalysts for Suzuki-Miyaura cross-coupling reactions of aryl bromides in aqueous medium." **एस.यादव**, **ए.सिंह**, **एन.रशीद**, **एम.घोतिय** ,**टी. के . रॉय**, **पी . पी .इंगोले**, **एस.राय**, **एम. एम. शेख** , **सी. दास.** *Chem. Select* **2018**, *3*, 9469-9475 (Impact factor: 1.505)
18. "Intrinsic structure of pentapeptideLeu-enkephalin: Geometry optimization and validation by comparison of VSCF-PT2 calculations with cold ion spectroscopy." **टी. के. रॉय**, **भी.कॉपीसोभ**, **ए.परवेज**, **जे.सेवक**, **आर. बी. ग्रेबेर**, **ओ. भी. ब्योरकिन** . *Phys. Chem. Chem. Phys.***2018**, 20, 24894-24901 (Impact Factor: 3.906).

19. "DBU Mediated Efficient Synthesis of Diaryl Ethynes and Enynes from 1,1 Dibromoalkenes at Room Temperature". **यू.थूमामला, ए . के.मोरी, जी. भी . करूनाकर, भी. आर. डोडी** *Eur. J. Org. Chem*. **2018**, 6280–6285.
20. "Recent developments in the synthesis of pyrido[1,2-*a*]benzimidazoles" **आर .खजूरिया, एस के रशीद, सी. खजूरिया, के. के.कपूर, पी. दास** *Synthesis* (*Invited Article*) **2018**, *50*, 2131-2149 (Impact Factor: 2.722)
21. "One-pot cascade synthesis of pyrano/furanotetrahydroquinolines through Povarov reaction catalyzed by $Fe(NO_3)_3@Al_2O_3$ " **आर.कौर, आर.खजूरिया, वाई.सैनी, के . के. कपूर** *Indian J. Heterocycl. Chem.***2018**, *28*, 91-102 (*Commemorative issue-dedicatedto Prof. S. P. Singh on his 80th birthday*)
22. "Anomalous description of anharmonicity bending motions of carbon-carbon double bonded molecules with MP2 method: Ethylene as a case study" **एल.रविचंद्रन, एस.बानिक** *Phys. Chem. Chem. Phys.***2018**, *20,* 27329–27341 (Impact Factor: 3.906)

पुस्तक अध्याय 2019

1. पुस्तक अध्याय	**:**	The hybrid antimalarial approach
अध्याय /पृष्ठ संख्या	**:**	अध्याय **3, 73-105**
पुस्तक	:	औषधीय रसायन विज्ञान पुस्तक श्रृंखला में वार्षिक रिपोर्ट;
पुस्तक शीर्षक	:	Medicinal Chemistry Approaches to Malaria and other Tropical diseases
लेखक		: प्रिंसी गुप्ता, लवप्रीत सिंह और कमलजीत सिंह
संपादक	**:**	*केले चिबाले*
Hardcover ISBN	:	9780128198667
ई पुस्तक ISBN	:	9780128205518
प्रकाशक	:	एल्सवेयर
वर्ष	:	2019 (Vol. 53)
2. पुस्तक अध्याय	:	Development of computational tools for diverse applications of metal organic frameworks: challenges and outlooks
अध्याय/पृष्ठ संख्या .	:	अध्याय **7,** 149–172.
पुस्तक का नाम	:	Metal Organic Frameworks
लेखक	:	बुखराव दानिल, पवन कुमार, अभिनव गोंधी, ताप्ता कंचन रॉय और की ह्यून किम-
ISBN	:	9781925823578
प्रकाशक	:	सेंट्रल वेस्ट पब्लिकेशन, ऑस्ट्रेलिया
वर्ष	:	2019

7. अनुसंधान परियोजनाओं का विवरण

चल रही

1. **शीर्षक** : Inert C–H Bond Activation-Initiated Cascade Processes via Oxidative Organocatalysis
   - निधीयन एजेंसी : DST-SERB
   - बजट : रू. 53,38,300 / (EMR / 2016/001619)
   - अवधि : 3 वर्ष (2017-2020)
   - प्रधान अन्वेषक : डॉ. वी.श्रीधरण

2. **शीर्षक** : Theoretical Investigation on Conformationally Resolved 3D-structures of Large Biomolecules by Quantum Anharmonic Vibrational Spectroscopy
   - निधीयन एजेंसी : DST-SERB
   - बजट : रु55,11,000 / - (EMR / 2017/000512)
   - अवधि : 3 वर्ष (2018-2021)
   - प्रधान अन्वेषक : डॉ. तपता कंचन रॉय

3. **शीर्षक** : The Microscopic View of Structure and Anharmonic Vibrational Spectroscopy of Peptide-water Complexes
   - निधीयन एजेंसी : यूजीसी-स्टार्टअप
   - बजट : रु 10,00,000 / - (No.F.30-352 / 2017 (BSR))
   - अवधि : 2 वर्ष (2017-2019)
   - प्रधान अन्वेषक : डॉ. तपता कंचन रॉय

4. **शीर्षक** : Surface Modified Novel Magnetically Tuned Halloysite Functionalized Sulfonic acids: Synthesis, Characterization and Catalytic Activity
   - निधीयन एजेंसी : यूजीसी-स्टार्टअप
   - बजट : रु10,00,000 / - (F.30-35 / 2017 (BSR)
   - अवधि : 2 वर्ष (2017-2019)
   - प्रधान अन्वेषक : डॉ. प्रिंसी गुप्ता

5. शीर्षक	**:**	Understanding the Novel Reactivity and Better Utilization of Bicyclic Amidines
निधीयन एजेंसी	:	DST-SERB
बजट	:	रु 37,62,000 / - (ईसीआर / 2017/000419)
अवधि	:	3 वर्ष (2017-2020)
प्रधान अन्वेषक	:	डॉ. वेंकट रमना डोड्डी

6. शीर्षक	**:**	Synthe s i s and B iologi c a l Ev a lua tion of Nordihydroguairetic acid and its Analogues
वित्तीय एजेंसी	:	DST-SERB
बजट	:	रु6,50,000 / - (IFA12-CH-36)
अवधि	:	2 वर्ष (2017-2019 @cujammu)
प्रधान अन्वेषक	:	डॉ. वेंकट रमना डोड्डी

8. जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय वित्त पोषित अनुसंधान परियोजनाओं की सूची

1. शीर्षक	**:**	To the accuracy of density functional theory based potentials for the description of anharmonic molecular vibrations
निधीयन एजेंसी	:	जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय
बजट	:	रु 2,00,000 / - (CUJ / शैक्षणिक / Proj -PHY / 2017/97)
अवधि	:	2 वर्ष (2017-2019)
प्रधान अन्वेषक	:	डॉ. तपता कंचन रॉय

2. शीर्षक	**:**	Synthesis, spectroscopic and biological evaluation of asymmetrical Cr(III)-5- meso-(p-substituted phenyl)- 10,15,20-triphenylporphyrin
निधीयन एजेंसी	:	जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय
बजट	:	रु 2,00,000 / - (CUJ / Acad / P / CHESK / 2017/160)
अवधि	:	2 वर्ष (2017-2019)
प्रधान अन्वेषक	:	डॉ. सुजाता कुंदन

3. शीर्षक	:	Novel Synthesis of terminal alkynes and their derivatives
निधीयन एजेंसी	:	जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय
बजट	:	रु2,00,000 / -
अवधि	:	2 वर्ष (2017-2019)
प्रधान अन्वेषक	:	डॉ. वेंकट रमना डोड्डी

4. शीर्षक : Development of green synthetic protocols: Novel solid acids for catalysis

निधीयन पोषण एजेंसी : जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय

बजट : रु2,00,000 / - (CUJ / शैक्षणिक / ProjCHE / 2017/105)

अवधि : 2 वर्ष (2017-2019)

प्रधान अन्वेषक : डॉ. प्रिंसी गुप्ता

अंग्रेजी विभाग

1. विभाग के संबंध में

अंग्रेजी विभाग जुलाई, 2011 में स्थापित किया गया था। विभाग स्नातक और पीएचडी स्तरों पर डिग्री प्रदान करता है। शिक्षण व्याख्यान, आईसीटी आधारित शिक्षण, समूह चर्चा, फिल्म स्क्रीनिंग, संगोष्ठी आलेख प्रस्तुति, और चर्चा जैसे सहभागी सत्रों के माध्यम से किया जाता है। विभाग विभिन्न प्रकार के मंचों पर कक्षा के अंदर और बाहर दोनों जगह छात्रों को गहन परामर्श प्रदान करता है। पुनरावृत्ति क्लब, साहित्यिक प्रवचन-पाक्षिक संगोष्ठी श्रृंखला और लेखक श्रृंखला, मासिक गतिविधि का आयोजन किया जाता है, जिसमें लेखकों का जन्मदिन व्याख्यान, प्रस्तुतियों और प्रदर्शनियों के माध्यम से मनाया जाता है।

2. विभाग की विशिष्टता है:

- अनुवाद अध्ययन
- तुलनात्मक साहित्य
- महिलाओं के लेखन की पारसंस्कृति

3. दूरदर्शिता

- शैक्षणिक उत्कृष्टता, प्रासंगिक अनुसंधान और पेशेवर विशेषज्ञता के लिए विभाग की कल्पना करना।

4. मिशन

- अंग्रेजी संचार कौशल में छात्रों को प्रशिक्षित करने के लिए।
- छात्रों को साहित्यिक छात्रवृत्ति के उपकरणों से परिचित कराना और साहित्यिक अभिव्यक्ति के सभी रूपों की व्याख्या और मूल्यांकन करने के लिए उनकी क्षमता को तेज करना।
- अपनी पेशेवर दक्षताओं का सम्मान करके छात्रों को रोजगार के लिए तैयार करना।
- अच्छी तरह से संरचित पाठ्यक्रम और विश्वविद्यालय / सामुदायिक सहभागिता के माध्यम से वैश्विक विश्वदृष्टि को मजबूत करना।
- प्रौद्योगिकी और अंग्रेजी अध्ययन के बीच समन्वयक को मजबूत करना।

5. वर्ष के दौरान प्रमुख उपलब्धियां

रिपोर्ट अवधि के दौरान, विभाग ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उपयोगी शैक्षिक संभाषण से अपनी दृश्यता को बढ़ाया है। जबकि दूसरी ओर, संकाय सदस्यों ने देश और विदेश में विभिन्न सम्मेलनों में भाग लिया और आलेख प्रस्तुत किए, विभाग ने एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और राष्ट्रीय स्तर के साहित्य उत्सव का आयोजन किया। इसके अलावा, छात्रों और विभाग के शोधार्थियों को नाटकों के प्रदर्शन के अलावा विश्वविद्यालय स्तर पर साहित्यिक कार्यक्रमों के आयोजन से भी अवगत कराया गया। कमिटेटिंग राइटर श्रृंखला , जिसमें छात्रों ने प्रस्तुतियों, वृत्तचित्रों और पैनल चर्चाओं में भाग लेकर हर महीने एक लेखक का जन्मदिन मनाना विभाग की प्रमुख गतिविधियों में से एक है।

6. विभाग में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय सेमिनार/कार्यशालाएं/अन्य कार्यक्रम.

- अंग्रेजी विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय ने विश्वविद्यालय परिसर, राया में **14** दिसंबर **2019** को एक दिवसीय साहित्यिक उत्सव "यायावर: जम्मू साहित्य उत्सव" का आयोजन किया।
- अंग्रेजी विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय ने **6-7** नवंबर, **2019** को विश्वविद्यालय परिसर, राया में "मल्टीपल सेल्फ्स इन मल्टीपल टेक्सस: लाइफ नैरेटिव्स इन साउथ एशिया" पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया।

7. अन्य कार्यक्रम:

साहित्यिक क्लब, अंग्रेजी विभाग ने 18 फरवरी 2020 को "एक्सप्रेशंस- ए लिटरेरी फोरम" का आयोजन किया। इसमें की गई गतिविधियाँ : प्रश्नोत्तरी, नाटक, लघु कथा लेखन, चित्रकला, कविता पाठ थीं।

8. लेखक श्रृंखला के उपलक्ष्य में

लेखक श्रृंखला के अंतर्गत, अंग्रेजी विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय ने मनाया:

- 25 फरवरी 2020 को ऑडेन इंग्लैंड में जन्मे प्रसिद्ध अमेरिकी कवि डब्ल्यू.एच. (1907-1973)का विश्वविद्यायल परिसर में जन्मदिवस मनाया गया। डॉ. नासिर एफ. बट, सहायक अंग्रेजी, अंग्रेजी विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय जम्मू इस आयोजन के समन्वयक थे।
- 4 फरवरी 2020 को महाश्वेता देवी की जयंती मनाई गई। इस कार्यक्रम का विषय था "महाश्वेता देवी एक सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में" और समकालीन समय में उनके कार्यों की प्रासंगिकता। सुश्री नैंसी शर्मा, सहायक प्रोफेसर, अंग्रेजी विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय इस आयोजन की समन्वयक थीं।
- 22 अक्टूबर, 2019 को विश्वविद्यालय परिसर में आर.के. नारायण की जयंती आयोजित की गई। इस आयोजन का विषय था " आर.के. नारायण का वर्तमान समय में प्रासंगिकता" । डॉ. परवीन कुमारी, सहायक आचार्य , अंग्रेजी विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय इस आयोजन की समन्वयक थी।
- 18 सितंबर, 2019 को समिति कक्ष विश्वविद्यालय परिसर में शरत चंद्र चटर्जी की जयंती का आयोजन किया गया। इस आयोजन का विषय था "भारत में महिलाओं की मुक्ति में शरत चंद्र चटर्जी की भूमिका"। डॉ. नीना गुप्ता विज़, सहायक आचार्य, अंग्रेजी विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय ने इस कार्यक्रम का समन्वय किया।
- 27 अगस्त 2019 को विश्वविद्यालय परिसर, राजिंदर सिंह सभागार में "इस्मत चुगताई" की जयंती का आयोजन किया। इस आयोजन का विषय " पाठ और प्रसंग में इस्मत चुगताई" था। डॉ. राज ठाकुर, सहायक आचार्य, अंग्रेजी विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय, इस आयोजन के समन्वयक थे।
- 23 जुलाई 2019 को विश्वविद्यालय परिसर में मुंशी प्रेमचंद जयंती का आयोजन किया गया। इस आयोजन का विषय "**21** वीं सदी में प्रेमचंद की प्रासंगिकता" था। डॉ. एम. ए. फारूक, सहायक प्रोफेसर, अंग्रेजी विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय इस आयोजन के समन्वयक थे।

- 10 मई 2019 को विश्वविद्यालय परिसर, राया –सुचानी में गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर जयंती मनाई।

9. "साहित्यिक संभाषण: पाक्षिक संगोष्ठी श्रृंखला"

- 11 फरवरी 2020 को, केंद्रीय विश्वविद्यालय जम्मू के अंग्रेजी विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ. परवीन कुमारी ने "चयनित दलित महिला जीवन चरित्र में दलित महिलाओं की मुक्ति पर अम्बेडकर के दर्शन का प्रतिबिंब" विषय पर एक भाषण दिया।
- 1 अक्टूबर 2019 को, गुलाम अली रहमानी, रिसर्च स्कॉलर, डिपार्टमेंट ऑफ़ इंग्लिश, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ़ जम्मू, ने "डीप स्टेट: एन इम्पीडेंस टू थर्ड स्पेस" विषय पर एक प्रस्तुति दी।
- जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग के शोधार्थी जंफेल श्यान ने "इनर इमर्जिंग एंड कंसल्ड राइटिंग एंड तिब्बती इंग्लिश लिटरेचर" विषय पर एक प्रस्तुति दी।
- डॉ. नीना गुप्ता विज, सहायक प्रोफेसर, अंग्रेजी विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय ने सामान्य रूप से मानव के लिए मिथक की प्रासंगिकता पर एक आलेख प्रस्तुत किया। आलेख का शीर्षक है: "मिथक, मायथोपाइया, मायथोपोइसिस, मिथओपिया और मायथोफोबिया: महाभारत और रामायण के संदर्भ में कुछ अवलोकन"।:
- श्री अनिल कुमार, शोधार्थी , अंग्रेजी विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय ने एक आलेख प्रस्तुत किया, जिसका शीर्षक था: ": "अनसुलेटिंग सब्जेक्टिव आइडेंटिटी: द इयर ऑफ द सिलबोरियन इन द इयर ऑफ द फ्लड"।
- 9 जुलाई, 2019: डॉ. एम. ए. फारूक, सहायक प्रोफेसर, अंग्रेजी विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय ने "बंगाल में साहित्य विद्रोह: काजी नजरूल इस्लाम के संदर्भ में" विषय पर प्रस्तुति दी।
- 7 मई 2019:डॉ. राज ठाकुर, सहायक प्रोफेसर, अंग्रेजी विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय ने "गांधी ने अवज्ञा का समर्थन किया: पूर्व-स्वतंत्र भारत में पेंटागुलर क्रिकेट की राजनीति" विषय पर 7 मई 2019 को शाम 3 बजे समिति कक्ष(पहली मंजिल, मुख्य ब्लॉक, डीडीई भवन) में एक भाषण दिया।
- 23 अप्रैल 2019: डॉ. वंदना शर्मा, विभागाध्यक्ष, सहआचार्य, अंग्रेजी विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय ने "भारत और अफ्रीका में वीर विद्रोह: एक सबाल्टर्न परिप्रेक्ष्य" शीर्षक से एक व्याख्यान दिया।

10. विस्तार व्याख्यान श्रृंखला

- 7 फरवरी 2020 को, प्रो. विवेक, स्कूल ऑफ ह्यूमैनिटीज़ एंड सोशल साइंसेज, जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय, नई दिल्ली ने "सिनेमा की भाषा" पर एक विस्तार व्याख्यान दिया।
- 11 नवंबर 2019, प्रो. मशरूर शाहिद हुसैन, जहाँगीर नगर विश्वविद्यालय ढाका ने "साहित्य आलोचना: एक अवलोकन" पर एक विस्तार व्याख्यान दिया।
- 6 सितंबर 2019 को, प्रो. सुधी राजीव, सेवानिवृत्त प्रोफेसर और अंग्रेजी के विभागाध्यक्ष, जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर ने "साहित्य के मार्गीकरण" पर एक विस्तार व्याख्यान दिया।

11.क्षेत्र यात्रा / औद्योगिक यात्रा / शैक्षिक यात्रा

आउटरीच कार्यक्रम: अंग्रेजी विभाग के एम.ए. इंग्लिश (सेमेस्टर चतुर्थ और द्वितीय) छात्रों के लिए 13 से 15 मई, 2019 धर्मशाला-मैकलॉडगंज में शैक्षिक यात्रा का आयोजन किया गया। निम्न सदस्यों को छात्रों के साथ जाने के लिए प्रतिनियुक्त किया गया :

- डॉ. नीना गुप्ता विज़
- डॉ. एम.ए.ए फारूख़
- डॉ. राज ठाकुर
- डॉ. प्रवीन कुमारी

12.सकाय उपलब्धियां

क. 7 फरवरी 2020: अंग्रेजी विभाग की 6ठी बीओएस की बैठक

(i) प्रो. राधा चक्रवर्ती (विषय विशेषज्ञ, अंबेडकर विश्वविद्यालय, नई दिल्ली)

(ii) प्रो रोशन लाल शर्मा (विषय विशेषज्ञ, अंग्रेजी और यूरोपीय भाषा विभाग, सीयूएचपी)

(iii) प्रो विवेक सचदेवा (विषय विशेषज्ञ, अंग्रेजी विभाग, जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय, नई दिल्ली)

ख. 15 अक्टूबर 2019: जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग के पीएचडी स्कॉलर श्री जमील अहमद की मौखिक परीक्षा

(i) प्रो केबी राज़दान, सेवानिवृत्त प्रोफेसर, अंग्रेजी विभाग, जम्मू विश्वविद्यालय।

ग. 22 मई 2019: अंग्रेजी विभाग की 5वीं बोर्ड ऑफ स्टडीज की बैठक

1. प्रो अनिल रैना, अंग्रेजी विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय (विषय विशेषज्ञ)
2. प्रो सुचेता पठानिया, अंग्रेजी विभाग, जम्मू विश्वविद्यालय (सदस्य विशेषज्ञ)

घ. 9 मई 2019: सुश्री नसीम चौधरी, पीएचडी और सुश्री अंजुम ताहिर, पीएच.डी. शोधार्थी, अंग्रेजी विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय मौखिक परीक्षा का आयोजन।

(i) प्रो. मोनिका सेठी, विभागाध्यक्ष, अंग्रेजी विभाग, जम्मू विश्वविद्यालय।

13.सेमिनार, कार्यशालाओं और सम्मेलनों में संकाय सदस्यों की प्रतिभागिता:

प्रतिभागी सम्मेलनों/संगोष्ठियों/कार्यशालाओं का विषय	क्षेत्रीय/ राष्ट्रीय/ अंतर्राष्ट्रीय	तिथि	आयोजक	मुख्य वक्ता/अध्यक्ष/सह-अध्यक्षता/संसाधन व्यक्ति	वार्ता/ प्रस्तुत आलेख का शीर्षक
डॉ वंदना शर्मा					
1. अनुसंधान पद्धति पर एफडीपी.	राष्ट्रीय	11 फरवरी 2020	उच्च शिक्षा विभाग, जे एंड के गवर्नमेंट कॉलेज फॉर एजुकेशन,	मुख्य वक्ता	"एक प्रभावी अनुसंधान प्रस्ताव लेखन" पर एक सत्र आयोजित किया

			कैनाल रोड, (जे एवं के) यूटी		
2. "यायावर: जम्मू लिटरेचर फेस्टिवल"	राष्ट्रीय	14 दिसंबर 2019	अंग्रेजी विभाग, केंद्रीय विश्वविद्यालय जम्मू अंग्रेजी विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय	मुख्य वक्ता	"साहित्य बनाम ट्विटरेचर: वर्तमान समय में साहित्य"
3. दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "मल्टीपल सेल्फ्स इन मल्टीपल टेक्स: लाइफ नैरेटिव्स इन साउथ एशिया"	अंतरराष्ट्रीय	**6 - 7** नवंबर **2019**	अंग्रेजी विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय	आलेख प्रस्तुतकर्ता	" सार्वजनिक स्व के सदर्भ में निजी स्व: आत्मकथा के माध्यम से साहित्यिक स्थान पर बातचीत"
4. "विश्व साहित्य के रूप में दक्षिण एशियाई साहित्य: मान्यता, स्वागत और प्रतिरोध के मुद्दे" पर सम्मेलन	अंतरराष्ट्रीय	**29** जुलाई- **02** अगस्त **2019**	मकाऊ एसएआर चीन विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय तुलनात्मक साहित्य संघ	आलेख प्रस्तुतकर्ता	"दुनिया में बहुकार्य दक्षिण एशियाई निकाय"
डॉ नीना गुप्ता विज					
1. सम्मेलन	अंतरराष्ट्रीय	**17** फरवरी **2020**	भाषा और कला फाउंडेशन (ईला) और अंग्रेजी विभाग, राष्ट्रीय पीजी	आलेख प्रस्तुतकर्ता	"पोस्टकोलोनियल रिस्पांस की इंटरसेक्सुअलिटी: चयनित कविताओं में विरोध के सामान्य रूपक पढ़ना "

			कॉलेज, लखनऊ में अभिव्यक्ति		
2. "शिक्षा में निजीकरण: मुद्दे और चुनौतियां" विषय पर संगोष्ठी	राष्ट्रीय	**12 - 13** जनवरी **2020**	ए.एन.डी. शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, सीतापुर	आलेख प्रस्तुतकर्ता	"द्रोणाचार्य से पहले द्रोण-एकलव्य दीक्षा-थ (यू) मी (ब) को दोहराते हुए: निजीकरण में प्रत्यावर्तन के रूप में निजीकरण"
3. दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "मल्टीपल सेल्फ्स इन मल्टीपल टेक्सस: लाइफ नैरेटिव्स इन साउथ एशिया"	अंतरराष्ट्रीय	**6 - 7** नवंबर **2019**	अंग्रेजी विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय	आलेख प्रस्तुतकर्ता	"(डब्ल्यू) री (टी) एशेज से गाते हैं: हाशिए से इतिहास के रूप में मेरे चांडाल जीवन को पढ़ते हुए"
4. वार्ता की	राष्ट्रीय	**20** अगस्त **2019**	अंग्रेजी और आधुनिक यूरोपीय भाषा विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय	मुख्य वक्ता	"टोनी मोरिसन पर वार्ता"
5. संगोष्ठी "गांधी और साहित्य: वैचारिक मोर्चों की खोज"	राष्ट्रीय	**19** अगस्त **2019**	अंग्रेजी और आधुनिक यूरोपीय भाषा विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय	आलेख प्रस्तुतकर्ता	"गांधी और थोरौ: अमेरिकी ट्रांसेंडेंटलिज्म और भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन"
6. एक सप्ताह कार्यशाला सह एफडीपी में एक भाषण दिया	राष्ट्रीय	**22-28** जुलाई **2019**	गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज, ऊधमपुर	मुख्य वक्ता	"व्यक्तित्व और संचार कौशल"

डॉ राज ठाकुर					
1. सात दिवसीय शोध कार्यप्रणाली कार्यशाला		**11 -17** दिसंबर **2019**	संस्कृति, मीडिया और शासन केंद्र, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा प्रायोजित, केंद्र के तहत एक विशेष क्षेत्र (सीपीईपीए), नई दिल्ली में उत्कृष्टता की क्षमता के साथ।	प्रतिभागिता	
2. "बहु ग्रंथों में बहु स्वयं: दक्षिण एशिया में जीवन आख्यान" पर दो दिवसीय सम्मेलन	अंतरराष्ट्रीय	**6 - 7** नवंबर **2019**	अंग्रेजी विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय	आलेख प्रस्तुतकर्ता	"स्पोर्टिंग लाइव्स: खेल बायोपिक्स - सचिन: ए बिलियन ड्रीम्स और पान सिंह तोमर के माध्यम से खेल क्षेत्र में पूछताछ
डॉ. राज ठाकुर को टीजीटी अंग्रेजी (अनुबंध, 6/3/20), केंद्रीय विद्यालय, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय, राया सुचानी, बागला जम्मू के लिए साक्षात्कार बोर्ड सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया है।					
डॉ परवीन कुमारी					
1. "सामाजिक बहिष्कार और भारत में समावेश की चुनौतियाँ: संगोष्ठी	राष्ट्रीय	**17-18** जनवरी,	सेंटर फॉर स्टडी ऑफ सोशल अपवर्जन एंड	आलेख प्रस्तुतकर्ता	

पारी की आवश्यकता" विषय पर संगोष्ठी		**2020**	इनसिक्लूसिव पॉलिसी, जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू	
2. सार्वजनिक भाषण	विश्वविद्यालय	**27** नवंबर, **2019**	सेंटर फॉर स्टडी ऑफ सोशल अपवर्जन एंड इनसिक्लूसिव पॉलिसी, जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू	मुख्य वक्ता
3. दो दिवसीय आंतरिक सम्मेलन "एकाधिक ग्रंथों में कई पंथ: दक्षिण एशिया में जीवन कथाएँ"	अंतरराष्ट्रीय	**6 - 7** नवंबर, **2019**	अंग्रेजी विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय	आलेख प्रस्तुतकर्ता

14.संकाय प्रकाशन

लेखक का नाम (मुख्य लेखक तो सह-लेखक)	**लेख/शोध पत्र/पुस्तक अध्याय/ अन्य**	**प्रकाशक का नाम**	**पत्रिका/जर्नल/बुक का नाम**	**आईएसएसएन/आईएसबीएन संख्या।**	**प्रकाशन का वर्ष**
डॉ. वंदना शर्मा					
1. डॉ. वंदना शर्मा	पुस्तक प्रकाशित: भारतीय लेखन में नारीवादी उपदेश	ऑथर्स प्रेस		आईएसबीएन: **978-93-89615-19-7**	**2019**
2.डॉ. वंदना शर्मा	आलेख: "कामिला शम्सी की कार्टोग्राफी में तीसरे स्थान के रूप में राष्ट्र"		थिंक इंडिया (त्रैमासिक जर्नल) खंड **22** अंक **4 2019** यूजीसी केयर अनुमोदित अनुक्रमित और रेफरी जर्नल	आईएसएसएन: **0971-1260**	**2019**
3.डॉ. वंदना	आलेख: "हेग्मोनिक		साहित्य अंक. **8**	आईएसएसएन: **2249-6416**	**2019**

शर्मा	हिस्टोरोग्राफ़ी, के संदर्भ में विध्वंसक राजनीति: भारत और अफ्रीका में वीर विद्रोह का तुलनात्मक अध्ययन"		पीयर- तुलनात्मक साहित्य एसोसिएशन ऑफ इंडिया के ऑनलाइन जर्नल की समीक्षा की, यूजीसी सूचीबद्ध		
डॉ नीना गुप्ता विज					
1. डॉ. नीना गुप्ता विज और राज गौरव वर्मा	इंडियन वूमेन राइटिंग : एन इंट्रोडक्शन टू सेलेक्टिंग टेक्स्ट	नरिंद्र पब्लिशिंग हाउस		आईएसबीएन**: 978-93-87013-73-5**	**2020**
डॉ. मिर्जा अहमद अफजल फारूक					
1. डॉ. मिर्जा अहमद अफजल फारूक	पुस्तक पाठ**:** पाठ : रेजिस्टेंस ऑफ़ द सबाल्टर्न इन बंगाली लिटरेचर : फोरे ग्राउंडिंग बंकिम चंद्र चटर्जी कृष्णकांता की इच्छा " (स्नातकोत्तर क्रमांक **163-170)**	अंग्रेजी विभाग, मानव रचना विश्वविद्यालय**;** भारती प्रकाशन, नई दिल्ली	पुस्तक का नाम : रेजिस्टेंस एंड असिमिलेशन : वॉइसेस ऑफ़ द सबाल्टर्न	आईएसबीएन**: 978-93-89657-20-3**	**2020**
2. डॉ. मिर्जा अहमद अफजल फारूक	आलेख : सोशल रिअलिस्म इन किचन सिंक ड्रामा : जॉन ओस्बोर्नेस लुक बैक इन एंगर कॉन्टेक्स्ट (पेज स . **2465-2474)**		थिंक इंडिया जर्नल खंड**. 22** अंक **4**	आईएसएसएन: **0971-1260**	**2019**

डॉ. राज ठाकुर					
1.राज ठाकुर	" टेररिज़म एज ए मीडिया स्पेसफिक ईवेंट : प पेरफोरमटिव फरमेस ऑफ उरी एण्ड पुलवामा रिपोर्टिज इन इंडिया न्यूज मीडिया "		मीडिया वाच	आई एस एस एन : 0976-0911 (प्रिन्ट) ई –आई एस एस एन : 2249-8818 (इलेक्ट्रॉनिक)	**2019-2020**
डॉ. परवीन कुमारी					
1. डॉ. परवीन कुमारी	पुस्तक प्रकाशन**:** डिस्टिंक्टिव वौइस् ऑफ़ डिस्ट्रेस एंड नरेटिवस ऑफ़ सफरिंग्स : ए स्टडी ऑफ़ दलित वीमेनस राइटिंग	ऑथर्स प्रेस		आईएसबीएन : **978-93-88859-80-6**	**2019**
2. डॉ. परवीन कुमारी	पुस्तक का अध्याय: "जुठन: दलित अपमान और प्रतिरोध की कथा" (पृष्ठ संख्या **209-225)**	सीएसएसइआईपी, जम्मू विश्वविद्यालय, आथर प्रेस	सोशल एक्सक्लूशन एंड मार्जिनल कम्युनिटीज : चैलेंजेज ऑफ़ डेप्रिवेशन एंड डिस्क्रिमिनेशन	आईएसबीएन : **978-93-89615-82-1**	**2019**
3. डॉ. परवीन कुमारी	शोध आलेख : **“**विराम्मा : लाइफ ऑफ़ एन अनटचेवल : द सबाल्टर्न स्पीक्स**”**		रिसर्चर : मल्टी डिसीप्लीनरी जर्नल, रेफ़रीड (पीर रिव्यू) जर्नल.	आईएसएसएन : **2278-9022**	**2019**

अर्थशास्त्र विभाग

1. विभाग के संबंध

अर्थशास्त्र विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के तीन विभागों में से एक है, जिसने सितंबर, 2011 से कार्य करना शुरू किया। विभाग उच्च क्षमता के अर्थशास्त्रियों का निर्माण करने की दूरदर्शिता रखता है जो अर्थशास्त्र विज्ञान के सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक क्षेत्र की अच्छी जानकारी रखते हों तथा इसके नए एवं उभरते क्षेत्रों पर जोर देते हों।

2. प्रख्यात व्याख्यान:

1) **आर्थिक मुद्दे पर व्याख्यान**

- **5** फरवरी, **2020** को विभाग द्वारा "**21** वीं शताब्दी में आर्थिक सिद्धांत और नीति के लिए चुनौतियां" विषय पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया है। यह व्याख्यान प्रो. प्रीतम सिंह, अर्थशास्त्र के प्रोफेसर, ऑक्सफोर्ड ब्रूक्स यूनिवर्सिटी, यूके द्वारा दिया गया।
- **26** नवंबर, **2019** को विभाग द्वारा " अंतरराष्ट्रीय वित्त - अतीत, वर्तमान और भविष्य" पर एक व्याख्यान आयोजित किया गया है। यह व्याख्यान एसएमवीडीयू के अर्थशास्त्र विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. आरिफ बिल्ला डार द्वारा दिया गया है।
- **13** सितंबर, **2019** को छात्रों के लिए "हार्वेस्ट ऑफ गॉर्ज़" नामक एक वृत्तचित्र का प्रदर्शन किया गया है।

3. क्षेत्र दौरा/औद्योगिक दौरा/शैक्षिक दौरा

- अप्रैल और मई, **2019** के महीने के दौरान, एम.ए. शोध प्रबंध कार्य के उद्देश्य से संकाय सदस्यों को आवंटित सेमेस्टर- **IV** के छात्रों के विभिन्न समूह, डेटा संग्रह के लिए क्षेत्र सर्वेक्षण के लिए गए थे।

4. बाहरी विशेषज्ञों का दौरा

- **7** जून, **2019** को जम्मू विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग के प्रोफेसर, प्रो. जसबीर सिंह ने विभाग का दौरा किया।
- डॉ. आरिफ बिल्ला डार, सहायक प्रोफेसर, अर्थशास्त्र विभाग, एसएमवीडीयू ने **26** नवंबर, **2019** को विभाग का दौरा किया।
- प्रो. पुलिन नायक, सेवानिवृत्त प्रोफेसर, डीएसई, नई दिल्ली ने **27** नवंबर, **2019** को विभाग का दौरा किया।
- डॉ. शल्लू सहगल, सीनियर असिस्टेंट प्रोफेसर, अर्थशास्त्र विभाग, जम्मू विश्वविद्यालय ने **5** दिसंबर, **2019** को अर्थशास्त्र विभाग का दौरा किया।
- प्रीतम सिंह, अर्थशास्त्र के एमेरिटस प्रोफेसर, ऑक्सफोर्ड ब्रूक्स विश्वविद्यालय, यूके ने **5** फरवरी, **2020** को अर्थशास्त्र विभाग का दौरा किया।
- प्रो. नीरा वर्मा, विभागाध्यक्ष, अर्थशास्त्र विभाग, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, पीएचडी की मौखिक परीक्षा के लिए एक विशेषज्ञ के रूप में 6 फरवरी, 2020 को अर्थशास्त्र विभाग का दौरा किया।

5. नवाचार कार्यक्रम/विकास कार्यक्रम/अन्य कार्यक्रम:

- कुछ पाठ्यक्रम शुरू किए गए हैं।
- खेल का सिद्धांत
- सहकारी विकास
- पर्यावरणीय अर्थशास्त्र
- औद्योगिक अर्थशास्त्र
- वित्तीय संस्थान और बाजार

6. संकाय सदस्यों द्वारा आयोजित उन्मुखीकरण कार्यक्रम

- डॉ. सुशांत नाग ने 20-05-2019 से 10-06-2019 के दौरान **DST-NIMAT** के तहत ईडीआईआई, गांधी नगर, गुजरात के सहयोग से आईक्यूएसी, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित रिफ्रेशर कोर्स में भाग लिया।
- डॉ. श्वेता कोहली ने एनसीसीइ द्वारा **26** से **30** अगस्त, **2019** तक नई दिल्ली में "भारतीय विश्वविद्यालयों / कॉलेजों के संकाय के लिए सहकारी नीति और विकास" पर रिफ्रेशर कोर्स में भाग लिया।

7. कोई अन्य प्रासंगिक जानकारी

- डॉ. श्वेता कोहली ने 24 सितंबर, 2019 को जम्मू-कश्मीर इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन एंड रूरल डेवलपमेंट, सिधड़ा, जम्मू में नेहरू युवा केंद्र संगठन द्वारा "उभरते भारत: चुनौतियां और अवसर और भारत के युवा प्रोफ़ाइल मुद्दे और चिंताएँ" विषय पर आयोजित 3 दिनों के प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान व्याख्यान दिए।
- उन्होंने 6 जून, 2019 को बठिंडा केंद्रीय विश्वविद्यालय, बठिंडा में आयोजित 21 वीं सदी में भारतीय राजनीति और अर्थव्यवस्था को समझने पर दो सप्ताह की राष्ट्रीय कार्यशाला में "भारत की कृषि अर्थव्यवस्था: मुद्दों और तरीकों को आगे बढ़ाने" में व्याख्यान दिया।

8. कार्यशाला/सम्मेलन/संगोष्ठी में भाग लिया:

डॉ सुशांत नाग

i) **27** से **29** दिसंबर, **2019** को एयूआरओ विश्वविद्यालय, सूरत में आयोजित भारतीय आर्थिक संघ के **102** वें वार्षिक सम्मेलन में "दक्षिण एशिया में एक क्षेत्रीय विश्लेषण: एक अनुभवजन्य विश्लेषण" शीर्षक से प्रस्तुत पत्र।

ii) मदुरै कामराज विश्वविद्यालय, मदुरै, **8-10** जनवरी **2020** को इंडियन इकोनोमेट्रिक सोसाइटी के **56** वें वार्षिक सम्मेलन में ओडिशा में परिवारों पर बीमारी का भयावह प्रभाव "ओडिशा में परिवारों पर भयावह प्रभाव: एक अर्थशास्त्री विश्लेषण एनएसएसओ डेटा" प्रस्तुत किया।

सुश्री प्रीति गुप्ता:

(i) **18** नवंबर से **22** नवंबर, **2019** तक मशीन लर्निंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर एआईसीटीई प्रशिक्षण और शिक्षण (एटीएएल) प्रायोजित कार्यशाला में भाग लिया।

(ii) जनवरी **15-** जनवरी **21,2020** से अर्थशास्त्र विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित एफडीपी 'एडवांस्ड टेक्निक्स इन इकोनॉमिक्स रिसर्च' में भाग लिया।

डॉ श्वेता कोहली

(i) जनवरी **15-** जनवरी **21,2020** से अर्थशास्त्र विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित एफडीपी 'एडवांस्ड टेक्निक्स इन इकोनॉमिक्स रिसर्च' में भाग लिया।

श्री अनिल कुमार भारती

(i) प्रस्तुत पत्र "दक्षिण एशिया में अंतर-क्षेत्रीय व्यापार: अनुभवजन्य विश्लेषण", **27** से **29** दिसंबर, **2019** तक एयूआरओ विश्वविद्यालय, सूरत में आयोजित भारतीय आर्थिक संघ के **102** वार्षिक सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया।

(ii) **27** से **29** दिसंबर, **2019** को एयूआरओ विश्वविद्यालय, सूरत में आयोजित भारतीय आर्थिक संघ के **102** वें वार्षिक सम्मेलन में ग्रामीण सदनों के बीच बैंकिंग सेवाओं की पहुँच और उपयोग: "एक मामले का अध्ययन: जिला सांबा (ज एवं क)" का एक आलेख प्रस्तुत किया।

श्री राजेश कुमार

(i) एयूआरओ विश्वविद्यालय, सूरत में **27** से **29** दिसंबर, **2019** तक आयोजित भारतीय आर्थिक संघ के **102** वें वार्षिक सम्मेलन में "दक्षिण एशिया में एक क्षेत्रीय विश्लेषण: एक अनुभवजन्य विश्लेषण" शीर्षक से एक पत्र प्रस्तुत किया।

(ii) **27** से **29** दिसंबर, **2019** को **AURO** विश्वविद्यालय, सूरत में आयोजित भारतीय आर्थिक संघ के **102** वें वार्षिक सम्मेलन में ग्रामीण सदनों के बीच बैंकिंग सेवाओं की पहुँच और उपयोग: "ए मामलों का अध्ययन: जिला सांबा (**J & K**)" का एक आलेख प्रस्तुत किया।

9. संकाय प्रकाशन

डॉ श्वेता कोहली

(i) इंडियन कॉन्टेक्स्ट में फेमिनिस्ट डिसोर्सेज नामक संपादित पुस्तक में "भारत में लिंग असमानता का अर्थशास्त्र": शोध, पहचान और एजेंसी, लेखक प्रेस, नई दिल्ली, 2019; पीपी 273-283 में आलेख प्रकाशित।

श्री राजेश कुमार, डॉ. सुशांत नाग और श्री अनिल कुमार भारती संयुक्त प्रकाशन

(i) "दक्षिण एशिया में इंट्रा-क्षेत्रीय व्यापार: यूजीसी केअर में एक अनुभवजन्य विश्लेषण" थिंक इंडिया जर्नल, आईएसएसएन: **0971-1260**, वॉल्यूम **22**, अंक **26**, पृष्ठ संख्या: **225-243**, दिसंबर **2019** सूचीबद्ध।

10. अनुसंधान परियोजनाओं का विवरण

सुश्री प्रीति गुप्ता

(i) जेएंडके आबकारी और कराधान विभाग के सहयोग से सामाजिक कार्य विभाग द्वारा किए गए "अवैध शराब व्यापार" नामक परियोजना में सलाहकार के रूप में काम किया गया। परियोजना रिपोर्ट सफलतापूर्वक अप्रैल, **2019** को प्रस्तुत की गई थी।

सुश्री प्रीति गुप्ता और श्री अनिल कुमार भारती

(i) "जम्मू और कश्मीर अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग विकास निगम का प्रभाव आकलन" अध्ययन के लिए परियोजना जांचकर्ता।

जनसंचार एवं नवीन मीडिया विभाग

1. विभाग का संक्षिप्त परिचय :

- जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के जनसंचार और नवीन मीडिया विभाग की स्थापना मार्च, 2014 में हुई थी।
- यह जम्मू क्षेत्र का पहला विभाग था, जिसने जनसंचार में स्नातकोतर कार्यक्रम को प्रस्तावित किया।
- प्रारंभ में विभाग में चार संकाय सदस्य थे; सभी सहायक आचार्य ।
- बाद में डॉ. गोविंद सिंह को दिसंबर, 2016 में आचार्य के रूप में विभाग में शामिल हुए और डॉ. धर्मेंद्र सिंह वर्ष 2018 में सह आचार्य के रूप में शामिल हुए।
- स्नातकोतर कार्यक्रम में प्रारंभिक दो वर्षों के लिए 30 छात्रों को प्रविष्ट किया गया और बाद में वर्ष, 2016 से प्रविष्ट क्षमता को बढ़ाकर 36 किया गया।
- विभाग ने वर्ष 2016 में पीएचडी कार्यक्रम भी शुरू किया और वर्तमान में छह अनुसंधान शोधार्थियों का नामांकन किया गया है।
- केंद्रीय पुस्तकालय में जनसंचार विषय की 250 पुस्तकें एवं 10 पत्रिकाएं हैं।

2. उद्देश्य

- शैक्षणिक और व्यावसायिक कुशलता के रूप में विभाग की स्थापना करना।
- रोजगार के अवसर और शैक्षणिक नवाचार के साथ पाठ्यक्रम प्रारंभ करना।
- छात्रों को अपना विशिष्ट कैरियर मार्ग चुनने के लिए विशेष प्रशिक्षण प्रदान करना।
- विभिन्न मीडिया और गैर मीडिया संस्थानों में नियुक्ति के लिए में छात्रों की मदद करना।
- मीडिया के सिद्धांतों और प्रयोगों के बीच की खाई को कम करने के लिए छात्रों को महत्वपूर्ण और पेशेवर पत्रकार बनने के लिए प्रेरित करना ।
- नवीन मीडिया को क्षमता और गुंजाइश प्रदान करने के लिए छात्रों को कुशलता से प्रशिक्षित करना।

3. वर्ष के दौरान प्रमुख उपलब्धियां:

- सात छात्रों को ईटीवी भारत, हैदराबाद में नियुक्त किया गया।
- दो छात्रों ने नेट परीक्षा पास की।
- अन्य छात्रों को अर्ली टाइम्स, रेड एफएम, ज़ी टीवी, अभ्रक में रखा गया। इसके अलावा उनमें से कुछ अपने यूट्यूब चैनल और ब्लॉग शुरू कर दिया।

4. अंतरराष्ट्रीय /राष्ट्रीय सेमिनार/कार्यशालाएं/अन्य कार्यक्रम:

- **18-19 सितंबर, 2019 को दो दिवसीय क्वार्क एक्सप्रेस कार्यशाला**

फोटो टाइप सेटिंग विशेषज्ञ गगन मनहोत्रा और हेम राज द्वारा अमर उजाला, जम्मू से 18-19 सितंबर, 2019 को दो दिवसीय क्वार्क एक्सप्रैस कार्यशाला का आयोजन किया गया था।

- **अनुसंधान पद्धति कार्यशाला**

  विभाग ने 7 फरवरी, 2020 को एक रिसर्च मेथोडोलॉजी पर कार्यशाला का आयोजन किया, जिसमें मुख्य वक्ता हिमाचल प्रदेश के केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रोफेसर प्रदीप नायर थे।

5. प्रख्यात व्याख्यान श्रृंखला :

वक्ता का नाम	व्याख्यान का विषय	तिथि
प्रो. अशोक ओगरा, पूर्व निदेशक, एपीजे इंस्टीट्यूट ऑफ मास कम्युनिकेशन	मीडिया का बदलता परिदृश्य	29 जनवरी, 2020

6. एक्सटेंशन लेक्चर :

वक्ता का नाम	व्याख्यान का विषय	तिथि
श्री बृजेश कुमार सिंह, समाचार संपादक, अमर उजाला, जम्मू।	हिंदी पत्रकारिता की वर्तमान स्थिति	18 सितंबर, 2019
बविंदर वशिष्ठ, रेजिडेंट एडिटर, अमर उजाला, जम्मू।	हिंदी पत्रकारिता की वर्तमान स्थिति	18 सितंबर, 2019
श्री अश्विनी कुमार, अध्यक्ष, प्रेस क्लब, जम्मू और पूर्व ब्यूरो प्रमुख, आज तक	इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का मीडिया प्रबंधन	19 फरवरी, 2020

7. विभाग द्वारा आयोजित जागरूकता कार्यक्रम:

- छात्रों ने एनएसएस और अन्य केंद्रों द्वारा आयोजित विश्वविद्यालय स्तर के कार्यक्रमों में भाग लिया।

8. क्षेत्र दौरे / औद्योगिक यात्रा / शैक्षिक यात्राओं का विवरण

- विभाग की दो छात्रा नेहा रानी और वंशिका गुप्ता ने 20 जनवरी, 2020 से 26 जनवरी, 2020 तक एक भारत श्रेष्ठ भारत के सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम के तहत तमिलनाडु केंद्रीय विश्वविद्यालय का दौरा किया और विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लिया और पुरस्कार जीते।

9. संकाय द्वारा प्रतिभागी सम्मेलन, कार्यशाला एवं सम्मेलन :

सम्मेलनों / सेमिनारों / कार्यशालाओं का विषय	क्षेत्रीय / राष्ट्रीय / अंतर्राष्ट्रीय	तिथि	आयोजक	आलेख / वार्ता का शीर्षक
सुश्री अर्चना कुमारी				
दो सप्ताह की क्षमता निर्माण कार्यक्रम	राष्ट्रीय	22 अप्रैल -4 मई 2019	सेंटर फॉर कल्चर, मीडिया एंड गवर्नेंस, जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय, नई दिल्ली	मीडिया और संचार अध्ययन
5 वीं पत्रकारिता शिक्षा कांग्रेस "विघटनकारी युग के दौरान पत्रकारिता सिखाना"	अंतराष्ट्रीय	जुलाई 9 - 11, 2019	डाउफिन विश्वविद्यालय, पेरिस	**पत्रकारिता शिक्षा में वर्ग विभाजन: दिल्ली स्थित चयनित सरकारी और निजी पत्रकारिता संस्थानों का अध्ययन**

10. संकाय प्रकाशन:

प्रो. गोविंद सिंह

लेखक/लेखकों का नाम	आर्टिकल/रिसर्च पेपर/बुक चैप्टर/कोई अन्य	प्रकाशक का नाम	पत्रिका/जर्नल/बुक का नाम	आईएसएसएन/आईएसबीएन नहीं।	प्रकाशन का वर्ष
अर्चना कुमारी	युवा लोग और समाचार का भविष्य: सामाजिक मीडिया और संयोजी पत्रकारिता का उदय	रूटलेज	जनसंचार एवं समाज	डीओआई: 10.1080/15205436.2019.1697566	2019

11. अनुसंधान परियोजनाओं का विवरण:

परियोजना अन्वेषक का नाम	अनुसंधान परियोजना का शीर्षक	फंडिंग एजेंसी	परियोजना का कार्यकाल	प्रमुख अनुसंधान परियोजना/लघु अनुसंधान परियोजना	स्थिति	
					चल रही	पूरा होने की तारीख
डॉ. बच्चा बाबू	सोशल मीडिया टेक्नोलॉजी एंड कंफ्लिक्ट रिजोल्यूशन: ए स्टडी इन कश्मीर वैली	आइसीएसएसआर	2019-2021	प्रमुख अनुसंधान परियोजना	चल रही	2021
डॉ. बच्चा बाबू	जम्मू और कश्मीर एससी, एसटी और बीसी विकास निगम लिमिटेड द्वारा वित्तपोषित इकाइयों का मूल्यांकन अध्ययन	जम्मू और कश्मीर राज्य अनुसूचित जाति, जनजाति और ईसा पूर्व विकास निगम लिमिटेड (जम्मू और कश्मीर राज्य)	2019	लघु शोध परियोजना	चल रही	2019

कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग

1. विभाग के संबंध में

आधारिक एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान विद्यालय के तत्वावधान में कंप्यूटर विज्ञान और आईटी विभाग की स्थापना वर्ष **2012** में की गई थी। प्रारंभ में विभाग ने **30** छात्रों की प्रविष्टी क्षमता के साथ एमएससी (कंप्यूटर साइंस) पाठ्यक्रम को प्रस्तावित किया। बाद में, वर्ष **2013** में, पाठ्यक्रम को एकीकृत एमएससी (कंप्यूटर विज्ञान) का नाम दिया गया है। **2017** तक एमसीए के तीन बैच सफलतापूर्वक उपाधियां प्राप्त कर चुके हैं। अनुसंधान परिणामों, बाजार परिदृश्य और उद्योग की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विभाग ने **24** सीटों की प्रविष्टी क्षमता के साथ एमटेक (कंप्यूटर विज्ञान और प्रौद्योगिकी) पाठ्यक्रम को प्रस्तावित कर प्रारंभ किया और सत्र **2016-17** से एकीकृत एमएससी (कंप्यूटर विज्ञान) -एमसीए पाठ्यक्रमको बंद कर दिया। एमटेक पाठ्यक्रम को सत्र 2017-18 से एआईसीटीई द्वारा अनुमोदित किया गया है। विभाग शैक्षणिक सत्र **2016-17** से पीएचडी अनुसंधान पाठ्यक्रम भी प्रस्तावित कर रहा है। विभाग के पास अनुसंधान के विभिन्न क्षेत्रों से संबंधित साथ छह उच्च योग्य और अनुभवी संकाय सदस्यों का दल है। कंप्यूटर विज्ञान और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग ने 2018 और 2019 में "कम्प्यूटिंग में हालिया नवाचार" (ICRIC) के विषय पर दो आंतरिक सम्मेलनों का सफलतापूर्वक आयोजन किया है।

2. विभाग में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय संगोष्ठी/कार्यशालाएं/अन्य कार्यक्रम

- **एआईसीटीई (एटीएएल) 5-डे फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (एफडीपी) / कार्यशाला विषय पर "इंटरनेट ऑफ थिंग्स" (14-18 अक्टूबर, 2019)**

  5-दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) / कार्यशाला "इंटरनेट ऑफ़ थिंग्स" का आयोजन कंप्यूटर विज्ञान और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग जम्मू केन्द्रीय विश्वविद्यालय, एआईसीटीई ट्रेनिंग एंड लर्निंग (अटल) एकेडमी, एआईसीटीइ, नई दिल्ली, के सहयोग से आयोजित गया । एफडीपी का उद्घाटन मुख्य अतिथि प्रोफेसर अशोक ऐमा, माननीय कुलपति, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा **14** अक्टूबर, **2019** को विश्वविद्यालय मुख्य परिसर में किया गया। कार्यशाला में विभिन्न राज्यों और पड़ोसी राज्यों के विभिन्न संस्थानों के लगभग **54** प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यशाला का समापन **18** अक्टूबर, **2019** को हुआ।

- **एआईसीटीई (एटीएएल) 5-डे फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (एफडीपी) / कार्यशाला "थीम पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस" (18-22 नवंबर, 2019)**

  5 दिन संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) / कार्यशाला का आयोजन कंप्यूटर विज्ञान और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय, तथा एआईसीटीई प्रशिक्षण और शिक्षण (एटीएएल) अकादमी, एआईसीटीई, नई दिल्ली, भारत सरकार के सहयोग से "आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस" विषय पर किया गया । एफडीपी का उद्घाटन मुख्य अतिथि प्रो. अशोक ऐमा, माननीय कुलपति, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा **18** नवंबर, **2019** को विश्वविद्यालय के मुख्य परिसर में किया गया। कार्यशाला में राज्य और पड़ोसी राज्यों के विभिन्न संस्थानों के लगभग **57** प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यशाला का समापन **22** नवंबर, **2019** को हुआ।

3. प्रख्यात व्याख्यान

क. डॉ. प्रदीप कुमार सिंह, सहायक प्रोफेसर (सीनियर ग्रेड), जेपी विश्वविद्यालय, सोलन ने " आईओटी / डब्ल्यूएसएन का उपयोग करके जंगल की आग का पता लगाना " विषय पर दिनांक **16-10-2019** व्याख्यान दिया।

ख. डॉ. सुदीप तंवर, सह-आचार्य (निरमा विश्वविद्यालय, गुजरात) ने **18-10-2020** दिनांकित "आईओटी एप्लीकेशंस के लिए ब्लॉकचेन-आधारित सुरक्षा समाधान और एलईडी चमक पर लाइव डेमो" पर व्याख्यान दिया।

ग. डॉ. बैजनाथ कौशिक, सह-आचार्य (श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय, कटरा) ने "प्रोटोकॉल और इंटरनेट ऑफ व्हीकल्स (आईओवी) के कार्यान्वयन" पर व्याख्यान दिया।

घ. श्री नीतिश भारद्वाज, एप्लीकेशन डेवलपर (एडवांस्डटेक इंडिया प्राइवेट लिमिटेड चंडीगढ़) ने **15-10-2019** को नोड एमसीयू के आर्डुइनोस, कमांड मोड और स्टैंडअलोन मोड को वाई फाई का इंटरफेसिंग पर व्याख्यान दिया।

ङ. श्री अंकित मोहन, एम्बेडेड डिजाइन इंजीनियर (एडवांस्डटेक. इंडिया प्राइवेट लिमिटेड चंडीगढ़) ने **14-10-2019** को "एम्बेडेड सिस्टम का परिचय, विभिन्न माइक्रोकंट्रोलर्स और उनके फायदे" पर व्याख्यान दिया।

च. आईआईटी रुड़की के सहायक आचार्य डॉ पार्थ प्रतीम रॉय ने **18-11-2019** को "एआई और मशीन लर्निंग" पर व्याख्यान दिया।

छ. श्री पुनीत जिंदल, डेटा साइंटिस्ट एंड फाउंडर एडुवेटिव फाउंडेशन, चंडीगढ़, इंडिया ने **19-11-2019** को "परसेप्ट्रॉन, डीप न्यूरल नेटवर्क्स, डीप लर्निंग ऑप्टिमाइजेशन" पर व्याख्यान दिया।

ज. डीटीयू के सह-आचार्य डॉ अरुण शर्मा ने **22-11-2019** को "सॉफ्ट कंप्यूटिंग एंड फजी लॉजिक" पर व्याख्यान दिया।

4. जागरूकता कार्यक्रम

क्रम संख्या	आईटी जागरूकता कार्यक्रम में भाग लिया	प्रतिभागियों की संख्या	दिनांक	वर्ष
1	राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, उत्तर बेहानी सांबा	**50**	फरवरी. **03, 2020**	**2020**

5. बाहरी विशेषज्ञों का दौरा

- प्रो. ललित सेन शर्मा, जम्मू विश्वविद्यालय, जुलाई **2018**
- डॉ. सुदीप तंवर, निरमा यूनिवर्सिटी, अहमदाबाद, अक्टूबर **2019**
- डॉ. प्रदीप कुमार सिंह, जेपी सूचना प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, सोलन, अक्टूबर **2019**
- डॉ. बैजनाथ कौशिक, एसएमवीडीयू कटरा, अक्टूबर **2019**
- श्री नीतिश भारद्वाज, एप्लीकेशन डेवलपर, एडवांस्ड टेक इंडिया प्राइवेट लिमिटेड चंडीगढ़, अक्टूबर **2019**
- श्री अंकित मोहन, एम्बेडेड डिजाइन इंजीनियर, एडवांस्ड टेक. इंडिया प्राइवेट लिमिटेड चंडीगढ़, अक्टूबर **2019**
- आईआईटी रुड़की से सहायक आचार्य डॉ पार्थ प्रतीम रॉय, नवंबर **2019**

- श्री पुनीत जिंदल, डेटा साइंटिस्ट एंड फाउंडर एडुवेविव फाउंडेशन, चंडीगढ़, नवंबर **2019**
- डॉ. अरुण शर्मा, एसोसिएट प्रोफेसर डीटीयू, नवंबर **2019**

6. संकाय उपलब्धियां

डॉ. यशवंत सिंह, विजिटिंग प्रोफेसर, जन वायज़िकोवस्की विश्वविद्यालय, पोल्कोविस पोलैंड (**24-06-2019** से **08-07-2019)** और इस अकादमिक दौरे के दौरान सात यूरोपीय देशों (हंगरी, स्लोवाकिया, ऑस्ट्रिया, चेज गणराज्य, रोमानिया, जर्मनी और पोलैंड) का दौरा किया।

7. सेमिनार, कार्यशालाओं और सम्मेलनों में संकाय प्रतिभागिता।

डॉ. यशवंत सिंह

सम्मेलनों/संगोष्ठियों/कार्यशालाओं का विषय	**क्षेत्रीय /राष्ट्रीय/ अंतरराष्ट्रीय**	**तिथि**	**आयोजक**	**मुख्य वक्ता/अध्यक्ष/सह अध्यक्ष**
कंप्यूटिंग, संचार और साइबर सुरक्षा **(IC4S-2019)** पर	अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन	**12-13** अक्टूबर **2019**	जेपी सूचना प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाकनाघाट, भारत	सत्र अध्यक्षता
इमेज इंफॉर्मेशन प्रोसेसिंग, आईसीआईआईपी **2019** पर चतुर्थ आईईईई	अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन	**15-17** नवंबर, **2019**	जेपी सूचना प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाकनाघाट, भारत	सत्र अध्यक्षता
नेटवर्क एंड कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजीज (एफटीएनसीटी-**2019)** में फरिस्टिक ट्रेंड्स पर)	अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन	नवंबर, **22-23, 2019**	जेपी यूनिवर्सिटी ऑफ इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, वाकनाघाट, , सी-डैक मोहाली, भारत	सत्र अध्यक्षता

कंप्यूटिंग पर नवाचार पर (आईसीआईसी-**2019)**	अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन	**12-13** दिसंबर **2019**	सीजीसी लैंड्रान मोहाली	सत्र अध्यक्षता
"इंटरनेट ऑफ थिंग्स" पर एआईसीटीई अटल कार्यशाला.	राष्ट्रीय	**14-18** अक्टूबर **2019**	कंप्यूटर साइंस एंड आईटी विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय और अटल एआईसीटीई	समन्वयक मुख्य वक्ता
मूल्यांकन और मूल्यांकन में आईसीटी की भूमिका,	क्षेत्रीय	**5-6** फरवरी **2020**	पीएमएमएमएनएमटी टी सीयू जम्मू,	मुख्य वक्ता
डिजाइन विकसित करना और मूक वितरित करना,	क्षेत्रीय	**09** जनवरी **2020**	पीएमएमएमएनएमटी टी सीयू जम्मू	मुख्य वक्ता
कंप्यूटिंग संचार और साइबर सुरक्षा पर	अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन	**12-13**अक्तूबर **2019**	जेपी सूचना प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाकनाघाट, भारत	मुख्य वक्ता
कंप्यूटिंग में नवाचारों पर तीसरा स्थान	अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन	**12-13** दिसंबर **2019**	सीजीसी लैंड्रान मोहाली	मुख्य वक्ता

डॉ. भावना अरोड़ा

सम्मेलनों/संगोष्ठियों/कार्यशालाओं का विषय	क्षेत्रीय/ राष्ट्रीय / अंतरराष्ट्रीय	तिथि	आयोजक	अध्यक्षता/सहअध्यक्षता/मुख्य वक्ता
2020 तक एफआईसीआर-टी	अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन	**17-19** जनवरी, **2020)**	आईआईएस यूनिवर्सिटी जयपुर	सत्र अध्यक्ष
इंटरनेट ऑफ थिंग्स	एक सप्ताह के संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी)	**14-10-2019-18-10-2019**	एआईसीटीई (अटल), कंप्यूटर साइंस एंड आईटी विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय	प्रतिभागिता
आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस	एक सप्ताह संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी)	**18-11-2019** से **22-11-2019** तक.	एआईसीटीई (अटल), कंप्यूटर साइंस एंड आईटी विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय	प्रतिभागिता
मूल्यांकन और मूल्यांकन: हाल के रुझान और चुनौतियां विषय पर दो दिवसीय सेमिनार	राष्ट्रीय सम्मेलन	**05-02-2020** से **06-02-2020**	शिक्षा विद्यालय जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय	सत्रध्यक्षता
साइबर अपराध	राज्य	**02-12-19**	शेर-ए-कश्मीर पुलिस अकादमी ऊधमपुर	मुख्य वक्ता
साइबर अपराध	राज्य	**11-03-20**	शेर-ए-कश्मीर पुलिस अकादमी	मुख्य वक्ता

			ऊधमपुर	
ई-लर्निंग: शिक्षण और सीखने के लिए उपकरण	राज्य (एफडीपी)	**01-06-20 से 03-06-20**	एमएएम कॉलेज, जम्मू	मुख्य वक्ता
'परिणाम आधारित' पर वेबिनार श्रृंखला शिक्षा '	राष्ट्रीय स्तर (एफडीपी)	**22-06-20 To 26-06-20**	शिक्षा निदेशालय, मणिपाल यूनिवर्सिटी जयपुर	मुख्य वक्ता

डॉ अरविंद कुमार सेलवाल

सम्मेलनों/संगोष्ठियों/ कार्यशालाओं का विषय	**क्षेत्रीय/ राष्ट्रीय / अंतरराष्ट्रीय**	**तिथियां**	**आयोजक**	**अध्यक्षता/सहअध्यक्षता / मुख्य वक्ता**
डीप लर्निंग	एक सप्ताह संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी)	**22-08-2019-26-08-2019**	आाई आई टी रूड़की	प्रतिभागिता
एआई और मशीन लर्निंग	एक सप्ताह संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी)	**23-12-2019 to 27-12-2019**	आाई आई टी रूड़की	प्रतिभागिता
आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस	एक सप्ताह संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी)	**18-11-2019 से 22-11-2019.**	एआईसीटीइ (अटल) , कंप्यूटर साइंस एंड आईटी विभाग, जम्मू	प्रतिभागिता

			केंद्रीय विश्वविद्यालय	
इंटरनेट ऑफ थिंग्स	एक सप्ताह संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी)	**14-10-2019 - 18-10-2019**	एआईसीटीइ (अटल) , कंप्यूटर साइंस एंड आईटी विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय	प्रतिभागिता
मशीन लर्निंग पर उभरते रुझान	एफडीपी विश्व बैंक के टीईक्यूआईपी चरण **III** द्वारा प्रायोजित	**24-01-2020**	गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार, हरियाणा	मुख्य वक्ता
पायथन का उपयोग कर डीप लर्निंग और मशीन लर्निंग के अनुप्रयोग	एक सप्ताह एफडीपी	**09-01-2020**	एसएमवीडी, कटरा और ईआईसीटी, आइआइटी रुड़की	मुख्य वक्ता

डॉ. दीप्ति मल्होत्रा

सम्मेलनों/संगोष्ठियों/ कार्यशालाओं का विषय	क्षेत्रीय/ राष्ट्रीय / अंतरराष्ट्रीय	तिथि	आयोजक	अध्यक्षता/सहअध्यक्षता/ मुख्य वक्ता
मूल्यांकन एवं मूल्यांकन: हाल के रुझान और चुनौतियां विषय पर दो दिवसीय संगोष्ठ	राष्ट्रीय सम्मेलन	**05-02-2020 से06-02-202**	शिक्षा विद्यालय, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय	मुख्य वक्ता
आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस	एक सप्ताह संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी)	**18-11-2019 से 22-11-2019**	एआईसीटीइ (अटल), कंप्यूटर साइंस एवं आईटी विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय ,	समन्वयक
इंटरनेट ऑफ थिंग्स	एक सप्ताह संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी)	**14-10-2019 - 18-10-2019**	एआईसीटीइ (अटल) ,कंप्यूटर साइंस एंड आईटी विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय	प्रतिभागिता

श्री नीरेंद्र कुमार

सम्मेलनों/संगोष्ठियों/कार्यशालाओं का विषय	क्षेत्रीय/ राष्ट्रीय / अंतरराष्ट्रीय	तिथियां	आयोजक	अध्यक्षता/सहअध्यक्षता/ मुख्य वक्ता
एआईसीटीइ (अटल) "इंटरनेट ऑफ थिंग्स " पर कार्यशाला।	राष्ट्रीय	**14-18 अक्टूबर 2019**	कंप्यूटर साइंस एंड आईटी विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय और अटल	प्रतिभागिता

			एआईसीटीई	
एआईसीटीइ (अटल) "आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस " पर कार्यशाला	राष्ट्रीय	**18-22** नवंबर **2019**	कंप्यूटर साइंस एंड आईटी विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय और अटल एआईसीटीई	प्रतिभागिता

8. संकाय प्रकाशन

प्रो. देवानंद

लेखक (कों) का नाम (मुख्य लेखक तथा सह लेखक)	**लेख/शोध आलेख /पुस्तक अध्याय/**	**प्रकाशक का नाम**	**पत्रिका/जर्नल/बुक का नाम**	**आईएसएसएन/आईएसबीएन. संख्या**	**प्रकाशन का वर्ष**
नेहा वर्मा, देवानंद और भावना अरोड़ा	ई-कॉमर्स में अनुशंसित एन सिस्टम का प्रायोगिक विश्लेषण	बेथ (स्कोपस जर्नल)	जर्नल ऑफ इनोवेटिव टेक्नोलॉजी एंड एक्सप्लोरिंग इंजीनियरिंग	आईएसएसएन : **2278-3075**	**2019**
नेहा वर्मा देवानंद, भवना अरोड़ा	यूजर –आइटम रेकॉममेंडेशन सिस्टम यूजिग कॉलबोरटेब फिलटरिंग	एससीआरसी	अंतरराष्ट्रीय जर्नल का उन्नत विज्ञान और तकनीकी	आईएसएसएन : **2005-4238**	**2019**

डॉ. यशवंत सिंह

लेखक (कों) का नाम (मुख्य लेखक तथा सह लेखक)	लेख/शोध आलेख /पुस्तक अध्याय/	प्रकाशक का नाम	पत्रिका/जर्नल/बुक का नाम	आईएसएसएन/आईएसबीएन . नहीं	प्रकाशन का वर्ष
अर्चना शर्मा, यशवंत सिंह	ऑन सिक्योरिटी ऑफ़ ओप्पोर्तुनिस्टिक रूटिंग प्रोटोकॉल इन वायरलेस सेंसर नेटवर्क्स	एलएनईई स्प्रिंगर नेचर स्विट्ज़रलैंड	आईसीआरआईसी -2019 की कार्यवाही	आईएसबीएन : **978-3-030-29406-9**	**2019**
नागेश कुमार, यवंत सिंह	ऐन एनर्जी एफ्फिसिएंट एंड रिलाएबल ओप्पोर्तुनिस्टिक रूटिंग फॉर वायरलेस सेंसर नेटवर्क्स	बेंथम विज्ञान	सेंसर के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, वायरलेस संचार और नियंत्रण	खंड **10,** अंक **1, 2020. DOI : 10.2174/2 2103279109992 00503033802**	**2020**
दीप कुमार बंगोत्रा, यशवंत सिंह - अरविंद सेलवाल	एन इंटेलीजेंट ओप्पोर्तुनिस्टिक रूटिंग प्रोटोकॉल फॉर बिग डाटा इन रीज़न	आईजीआई ग्लोबल	मल्टीमीडिया डेटा इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट (आईजेएमडेम) के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल	अंक.**11(1), 2020** डीओआई**: 10.4018/IJ MDEM.202001 0102**	**2020**